वैशाख कृष्ण पक्ष द्वादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 298 पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
26 अप्रैल 2025 शनिवार

आज का मौसम
41 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

कई और आतंकियों के घर गिराए, गुजरात में रातभर धरपकड़ ऑपरेशन

कई शहरों में बंद से आक्रोश की असरदार अभिव्यक्ति

नईदिल्ली/श्रीनगर/भोपाल,एजेंसी,दोपहर मेट्रो।

कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद सरकार का एक्शन जारी है। कश्मीर में चार और आतंकवादियों के घरो को गिरा दिया गया है। वहीं घटना के विरोध में देशभर में प्रदर्शन आक्रोश का सिलसिला जारी है। इसी कडी में आज मप्र की राजधानी भोपाल, इंदौर समेत कई जिलों में आधे दिन का बंद असरदार नजर आ रहा है। व्यापारी संगठनों ने पुरजोर तरीके से इस घटना का विरोध किया है। राजधानी में भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने बंद का आह्वान किया है और शहर के व्यापारिक संगठनों ने समर्थन किया है। हालांकि इस बात का ख्याल रखा गया कि बंद से आज इमरजेंसी मेडिकल सेवा बाधित न हो तथा मेडिकल स्टोर्स और थोक दवा दुकानें खुली रहे, दूध की सप्लाई भी प्रभावित न हो और कहीं चाय-नाश्ता भी मिलता रहे,ताकि बाहर से आने वालों को परेशानी न हो। चेंबर अध्यक्ष तेजकुल पाल सिंह ने बताया आतंकी हमले के मद्देनजर मृतकों के परिवारजनों के साथ खड़े होने एवं इस निर्मम आतंकी हमले के विरोध प्रदर्शन स्वरूप यह बंद बुलाया गया है। दोपहर में व्यापारियों ने मृतकों को श्रद्धांजलि भी दी। न्यू मार्केट व्यापारी संरक्षण समिति ने भी बंद का समर्थन किया है। पुराने भोपाल के कारोबारियों ने भी बंद का समर्थन करते हुए दुकानें आधे दिन तक बंद रखने का निर्णय लिया।

500 घुसपैठियों को हिरासत में लिया

उधर कश्मीर में पहलगाम आतंकी हमले के बाद से अब तक 6 आतंकवादियों के घर गिराए जा चुके हैं। कल दो आतंकियों का घर ब्लास्ट व बुलडोजर से गिराया गया था। अब तक इस कार्रवाई की चपेट में लश्कर का आसिफ शेख, आदिल ठोकेर, हारिस अहमद, जैश का अहसान उल हक, जाकिर अहमद गनई और शाहिद अहमद कुटे के घर आ चुके हैं। जैश का अहसान 2018 में पाकिस्तान से ट्रेनिंग लेकर लौटा था। आसिफ और आदिल के नाम पहलगाम हमले में सामने आए थे। दूसरी तरफ बीते दो दिन से पाकिस्तानी सेना ने भारतीय पोस्ट पर फायरिंग कर रही है। शुक्रवार सुबह के बाद शनिवार तड़के भी एलओसी पर फॉरवर्ड भारतीय पोस्ट पर फायरिंग की गई । इंडियन आर्मी ने भी इसका जवाब दिया। गोलीबारी में किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। इस बीच पुलिस ने गुजरात के सूरत और अहमदाबाद में घुसपैठियों पर कार्रवाई की। दोनों शहरों में 500 बांग्लादेशी घुसपैठियों को हिरासत में लिया गया। गृह मंत्री अमित शाह ने कल ही मुख्यमंत्रियों से अपील की थी कि घुसपैठियों की जल्द से जल्द पहचान करें और उन्हें वापस उनके देश भेजें।

भोपाल में आज सभी बाजार पूरी तरह बंद रहे।

पीएम ने 13 वर्ल्ड लीडर्स से बात की

इस बीच खबर हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया के 13 लीडर्स को फोन कर आतंकी हमले की जानकारी दी। इस बारे में इंडियन एक्सप्रेस ने एक रिपोर्ट में दावा किया कि प्रधानमंत्री ने वर्ल्ड लीडर्स को यह बताया कि शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि पहलगाम हमले के पीछे पाकिस्तान का ही हाथ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बात के भारत के पास तकनीकी इनपुट्स हैं और हमारे सोर्सेस ने भी यह कन्फर्म किया है। दिल्ली में 30 डिप्लोमैट्स की भी एक मीटिंग हुई, जिसमें भारत ने यही जानकारी दी।

पानी रोकने पर बौखला रहा पाक, शरीफ का नया राग

■ उधर सिंधु नदी का पानी रोकने के भारत के फैसले से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। पीएम शहबाज शरीफ ने कहा, पाकिस्तान के पानी को कम करने या मोड़ने की किसी भी कोशिश का पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा. शांति हमारी प्राथमिकता है. पाकिस्तान किसी भी तटस्थ और संवाद में हिस्सा लेने के लिए तैयार है. हम अपनी अखंडता और सुरक्षा पर कभी समझौता नहीं करेंगे।

टीआरएफ पलटा- 'हमले में नहीं हमारा हाथ'

■ उधर द कश्मीर रेजिस्टेंस फ्रंट ने पहलगाम हमले के तीन दिन बाद अटैक की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया है। हमले के बाद सबसे पहले टीआरएफ ने ही इसकी जिम्मेदारी ली थी। इधर जम्मू-कश्मीर में मेडिकल इमरजेंसी लागू की गई है। डॉक्टर्स और स्टाफ की छुट्टियां कैंसिल कर दी गई हैं। एक कंट्रोल रूम बनाया गया है, जो 24/7 हालात पर नजर रखेगा।

बलूच आर्मी ने 10 पाक सैनिकों को मारा

■ पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में बलूच लिबरेशन आर्मी के हमले में 10 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई है। बीएलए ने बयान जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली है और कहा कि उसके फ्रीडम फाइटर्स ने पाकिस्तानी सेना के काफिले को रिमोट कंट्रोल्ड आईईडी के जरिए निशाना बनाया है। क्वेटा से लगभग 30 किमी मार्गट चौकी के पास सैन्य काफिले को निशाना बनाया गया। ज्ञात हो कि बलूच लिबरेशन आर्मी ने पिछले महीने बलूचिस्तान के क्वेटा में जाफर एक्सप्रेस पर हमला कर उसे हाईजैक कर लिया था। ट्रेन में लगभग 450 पैसेंजर सवार थे।

कोटा में नीट-यूजी परीक्षा से पहले फिर एक सुसाइड

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के तुगलकाबाद के रोशन शर्मा (23) की कोटा में संदिग्ध आत्महत्या से मौत की खबरे हैं। उनका शव रेलवे ट्रैक के पास झाड़ियों में मिला है। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला कि रोशन ने जहरीला पदार्थ खाया था।

रोशन के पिता रंजीत शर्मा, बढ़ई का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि वह तीन साल से नीट की तैयारी कर रहा था। 4 मई को होने वाली नीट-यूजी परीक्षा से कुछ हफ्ते पहले उसने कहा कि वह इस साल परीक्षा नहीं देगा और उसे एक साल और चाहिए। उसकी बहन से भी उसने फोन पर यही बात कही थी। रंजीत ने बताया कि रोशन पढ़ाई में अच्छा था और कोचिंग की टेस्ट में 550-600 अंक लाता था, लेकिन आत्महत्या का कारण समझ नहीं आया। रंजीत और उनकी पत्नी 22 अप्रैल को रोशन को घर ले जाने कोटा आए थे, लेकिन उसने मना कर दिया।

मौसम में बडा बदलाव, 24 राज्यो में आंधी पानी का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। अब देश में आज से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। मध्यप्रदेश, राजस्थान सहित 24 राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, पूर्वोत्तर राज्यों में आज भी भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

इधर, बिहार-छत्तीसगढ़ और कर्नाटक में ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। इस वजह से देश के ज्यादातर राज्यों में तापमान में कमी आएगी और गर्मी से राहत मिलेगी। हालांकि, बारिश और तूफान की चेतावनी के बाद भी इन राज्यों के कई हिस्सों में हीटवेव की चेतावनी भी दी गई है। बीते दिन सिक्किम में लगातार बारिश के कारण हुई लैंडस्लाइड में फंसे 1 हजार से ज्यादा पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। हालांकि, 1500 से ज्यादा पर्यटक मंगन जिले में अब भी फंसे हैं।

ईपीएफओ ने बदले दो नियम, पीएफ आसानी से ट्रांसफर होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भविष्य निधि संगठन ने अकाउंट ट्रांसफर के नियम को अब सरल बना दिया है, जिसके बाद अब कर्मचारियों को पैसा निकालने या फिर अकाउंट ट्रांसफर कराने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी और इससे 1.25 करोड़ से ज्यादा सदस्यों को लाभ मिलने की उम्मीद है। अब तक पीएफ कर्मचारियों को अक्सर अकाउंट ट्रांसफर को लेकर परेशानियों को सामना करना पड़ता और नई नौकरी ज्वाइन करने पर उन्हें ये दिक्कत आती थी। अब ईपीएफओ ने फॉर्म 13 सॉफ्टवेयर की कार्यक्षमता में सुधार किया है। ट्रांसफर मामलों में नियोक्ता की मंजूरी की आवश्यकता को समाप्त कर दिया है। नियम जनवरी 2025 से ही प्रभावी माना जाएगा। यानि कर्मचारियों द्वारा नौकरी बदलने पर पीएफ ट्रांसफर काफी हद तक सरल हो गया है।

दबंगों ने सोसाइटी में घुसकर हमला किया

गाजियाबाद, एजेंसी। इंदिरापुरम स्थित पॉश हाईराइज सोसायटी में निर्माण को लेकर बवाल में दबंगो द्वारा हमले से हडकंप मचा हुआ है। घटना जेनिथ सोसाइटी की है। सोसायटी के लोगों का कहना है कि बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के आदेश के अनुसार चल रहा था. इसी दौरान लगभग एक दर्जन दबंग अचानक वहां आ पहुंचे और सोसाइटी में रहने वाले लोगों से अभद्रता शुरू कर दी। लोगों के साथ मारपीट की गई। इससे सोसायटी के लोग भी सहम गए। इस दौरान एक जेसीबी मशीन बाउंड्री वॉल के निर्माण के लिए कार्यरत थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रोजगार मेले में 51हजार को नियुक्ति पत्र

आंतरिक सुरक्षा व इंफास्ट्रक्चर में भूमिका निभा रहे युवा : पीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। प्रधानमंत्री रोजगार मेला के तहत देश के विभिन्न शहरों में करीब 51 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गये। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभ्यार्थियों को वर्चुअली संबोधित किया व कहा कि देश के अलग-अलग विभागों में 51,000 से ज्यादा युवाओं को पक्की नौकरियां मिली हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी युवा देश की आंतरिक सुरक्षा, आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और श्रमिकों के लाभ के लिए अहम भूमिका निभा रहे हैं।

यह मेला आज देश के 47 स्थानों पर आयोजित हो रहा है। जिसमें प्रयागराज, लखनऊ, चेन्नई समेत कई स्थान शामिल है। भोपाल के कार्यक्रम में शिवराज सिंह ने कहा कि हम धीरे-धीरे हर गांव और परिवार को गरीबी से मुक्त करेंगे। उन्होंने कृषि क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने के प्रयासों पर जोर दिया और कहा, नौकरी वही अच्छी, जो आनंद दे। अब मुझे खेती, गाय और किसान के अलावा कुछ नहीं दिखता। उन्होंने एक कहानी के जरिए बताया कि रोजगार को देश के विकास से जोड़कर काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस बार के बजट में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की योजना है, ताकि युवा ग्लोबल स्तर के प्रोडक्ट बना सकें। उन्होंने कहा कि खादी और ग्राम उद्योग का टर्नओवर पहली बार 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा हुआ है, जिससे गांवों में रोजगार के नए रास्ते खुले हैं।

शिवपुरी में विमान से वस्तु गिरी, सेना ने जताया खेद

भोपाल, शिवपुरी, दोपहर मेट्रो। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में एक मकान पर एक विमान से भारी गोले जैसी वस्तु गिरने से उस मकान के ध्वस्त होने के मामले में वायु सेना ने खेद जताया है। भारतीय वायु सेना ने एक्स पोस्ट के माध्यम से कहा कि शिवपुरी के पास एक वायु सेना के एक विमान से गैर विस्फोटक वस्तु गिरने से मकान को हुए नुकसान को लेकर वायु सेना खेद व्यक्त करती है। इस मामले में वायु सेना की ओर से जांच के निर्देश दे दिए गए हैं। शिवपुरी जिले के पिछोर में कल दोपहर एक मकान पर आसमान से गोले जैसी अज्ञात वस्तु गिरने से जहां एक ओर मकान ध्वस्त हो गया था, वहीं ये अज्ञात वस्तु जमीन में लगभग 10 फुट गहराई का गड्ढा करते हुए धंस गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ऊपर से एक हवाईजहाज निकलने के दौरान ये भारी-भरकम गोला मकान के ऊपर गिरा था।

वाराणसी में विश्वनाथ मंदिर पर उड़ते ड्रोन को गिराया

वाराणसी, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर के प्रतिबंधित क्षेत्र में ड्रोन को उड़ाए जाने का मामला सामने आया है। हालांकि, मंदिर परिसर में उड़ रहे ड्रोन को एंटी ड्रोन सिस्टम से निष्क्रिय कर गिरा दिया गया। पुलिस ने गिराए ड्रोन को कब्जे में लिया है। इसका संचालन करने वाले का पता लगाया जा रहा है। दर्शन करने आए श्रद्धालुओं के बीच ड्रोन को लेकर खासी गहमागहमी रही। पुलिस ने बताया कि बीती शाम करीब प्रतिबंधित क्षेत्र में ड्रोन प्रवेश कर रहा था। एंटी ड्रोन सिस्टम तत्काल सफलतापूर्वक पता लगाकर उसकी नेविगेशन प्रणाली को बाधित किया और फिर निष्क्रिय कर दिया।

मेट्रो एंकर

पाकिस्तान में जरूरी चीजों की होगी किल्लत, भारत को अफगान से व्यापार में बाधा

बार्डर बंद और 4 हजार करोड़ रूपए का कारोबार भी हुआ बंद!

नई दिल्ली, एजेंसी।

पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत सरकार द्वारा अटारी-वाघा बॉर्डर बंद करने के फैसले और पाकिस्तान द्वारा भी हर तरह की आवाजाही बंद करने की बात कहने से तत्काल असर यह हुआ है कि अटारी रूट से करीब 4000 करोड़ रुपये का व्यापार तो तुरंत बंद हो गया है। पाकिस्तान ने अपने यहां से दूसरे देशों का माल भी भारत भेजे जाने पर रोक लगाने का ऐलान किया है। इस घटनाक्रम से पाकिस्तान और भारत के बीच माल की कुल आवाजाही पर भी आंच आएगी, जो साल 2023-24 में 1.2 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई थी। जानकारों का कहना है कि अब पाकिस्तान की मुश्किल बढ़ जाएगी और वहां जरूरी चीजों की आपूर्ति में दिक्कत होगी। उल्लेखनीय है कि अटारी फिलहाल दोनों देशों के बीच एकमात्र लैंड पोर्ट है। अटारी-वाघा बॉर्डर से जो माल भारत आ रहा था, उसमें अफगानिस्तान से आने वाली चीजों का हिस्सा भी था। वहां से 2018-19 में कुल व्यापार जहां करीब 4371 करोड़ रुपये था, वहीं 2019-20 में 2772 करोड़ पर आ गया। कोविड प्रभावित 2020-21 में यह 2640 करोड़ रुपये का रहा। 2022-23 में 2257 करोड़ रुपये का ट्रेड हुआ। साल 2023-24 में 3886 करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार हुआ था। अटारी रूट से भारत से मुख्य रूप से सोयाबीन, चिकेन फीड, सब्जियों, लाल मिर्च, प्लास्टिक दाना, प्लास्टिक यार्न वगैरह का निर्यात होता रहा है। वहीं, सूखे मेवे, जिप्सम, सीमेंट, ग्लास, सेंधा नमक और मसाले भारत लाए जाते थे। भारत-पाकिस्तान के बीच माल की आवाजाही मुख्य तौर पर सिंगापुर, दुबई, श्रीलंका जैसे देशों के जरिए हो रही थी। अब पाकिस्तानी आयातकों की लागत और बढ़ जाएगी।

हमें मिला अटारी, उन्हें वाघा

गौरतलब है कि आजादी के बाद भारत और पाकिस्तान को विभाजित करने वाली अंतरराष्ट्रीय रेखा इसी प्रमुख व्यापार केंद्र माने जाने वाले कॉरिडोर से गुजरी। भारत के हिस्से में अटारी आया और पाकिस्तान के हिस्से में वाघा। ये दोनों गांव एक-दूसरे से महज 3 किलोमीटर की दूरी पर हैं। इसी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चेकपोस्ट बनी और इसे अटारी-वाघा चेक पोस्ट कहा गया। कहते हैं कि अटारी में कभी महाराजा रणजीत सिंह की मिलिट्री कमांड में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जनरल शाम सिंह अटारीवाला का घर था। विभाजन ने दोनों देशों के बीच एक सीमा रेखा तो बना दी, लेकिन व्यापार और आवागमन उसके बाद भी जारी रहा। भारत और पाकिस्तान के बीच एक दौर में चलने वाली समझौता एक्सप्रेस भी अटारी से वाघा और वाघा से अटारी तक जाती थी।

कोलार, रातीबड़ जैसे आसपास के ग्रामीण इलाकों से पहुंच रही नुकसानदायक हवा

पराली ने हवा में घोला जहर, टीटी नगर इलाका भी खराब हवाओं की चपेट में आया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में जहरीली हवा का कहर कई इलाकों पर टूटता रहता है। मगर अब शहर का ग्रीन और खुला खुला इलाका यानि टीटी नगर जहरीली हवा का हॉटस्पॉट बन रहा है। यहां एक दिन पहले ही एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 235 दर्ज किया गया। यह लेवल खराब श्रेणी में आता है। बताया जाता है कि इसमें सबसे खतरनाक स्थिति ओजोन गैस की है। इसकी औसत मात्रा 173.66 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर मापी गई। यह सीधे फेफड़ों पर असर डालती है। यहां पीएम 10 की मात्रा 114.24, पीएम2.5 की मात्रा 30.90 रही। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के डेटा के मुताबिक टीटी नगर में ओजोन का स्तर 214 दर्ज किया गया। इस स्थिति को चिंताजनक माना जा रहा है। जानकारों का मानना है कि पराली जलाने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इससे हवा में पीएम10, नाइट्रोजन ऑक्साइड, अमोनिया, कार्बन मोनोऑक्साइड और ओजोन जैसी गैसें कई गुना बढ़ जाती हैं। राजधानी के टीटी नगर में ओजोन का बढ़ा स्तर इसका साफ संकेत है, क्योंकि यहां से कुछ दूरी पर बसे रातीबड़, नीलबड़ सहित आसपास के इलाकों में जमकर पराली जलाई जा रही है। वहीं कुछ इलाकों में कोलार की तरफ खेतों में जल रही पराली का असर दिखाई दे रहा है। उधर पुराने भोपाल में कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदूषण की मात्रा भी बढी है। हालांकि, यहां लगे सेंसर बंद हैं। इससे अब वहां प्रदूषण की सही माप भी नहीं हो पा रही। अरेरा कॉलोनी स्थित पर्यावरण परिसर, जिसे ग्रीन जोन कहा जाता है, वहां भी हवा सुरक्षित नहीं रही। यहां भी हवा की स्थिति खराब श्रेणी में रही। यहां ओजोन का स्तर 73 से ऊपर पहुंच गया। डॉक्टरों का कहना है कि हवा में इतनी अधिक मात्रा में ओजोन होने से यह बुजुर्गों, बच्चों और अस्थमा या दिल के मरीजों के लिए बेहद खतरनाक है। जीएमसी के रेस्पीरेटरी मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विकास मिश्रा बताते हैं कि प्रदूषण में लोग खुले में व्यायाम या दौड़ने से बचना चाहिये और मास्क पहनकर बाहर निकलने बेहतर है। घरों में एयर प्यूरिफायर का इस्तेमाल भी हो। पराली जलाना तुरंत रोका जाना चाहिए। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों का भी कहना है कि पराली और आग लगने की घटनाओं के हवा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। पर्यावरण पर निगाह रखने वाली संस्था एमपीपीसीबी के अफसरों का कहना है कि पराली न जलाने के लिए हम लगातार राजस्व विभाग के साथ मिलकर कार्रवाई कर ही रहे हैं। कृषि विभाग को लोगों को जागरूक करने के लिए भी जिम्मेदारी दी गई है। वायु प्रदूषण को कम करने के लिए नगर निगम के साथ मिलकर वॉटर स्प्रिंकलिंग, रोड साइड ग्रीन कवर बढ़ाने और एंटी-स्मॉग गन के उपयोग जैसे उपायों पर काम चल रहा है।

नए उपाय आजमाने की तैयारी

■ माना जा रहा है कि इस मामले में सरकार और नागरिकों दोनों को मिलकर कदम उठाने होंगे। हालांकि सरकार ने 1 मई से पराली जलाने पर सख्त प्रतिबंध का एलान गत दिवस किया है और किसानों की सम्मान निधि तक रोकने जैसा कठोर निर्णय भी अमल में लाया जाएगा। भोपाल में हाल के कुछ दिनों में ही पराली पर करीब चार दर्जन लोगों पर कार्रवाई हुई थी। इनसे जुर्माना भी वसूला गया है।

लंबे समय से बंद हैं वॉटर वेंडिंग मशीन

स्टेशन पर शुद्ध-शीतल जल के लिए जद्दोजहद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में पड़ रही तीखी गर्मी में रेलवे स्टेशन पर मुसाफिरों के लिए राहत की बजाय परेशानी बढ रही है। स्टेशन पर 6 महीने से वाटर वेंडिंग मशीनें ही बंद हैं। इन मशीनों के जरिए यात्रियों को बेहद सस्ती दरों पर ठंडा और आरओ का शुद्ध पानी मिल जाता था। लेकिन अब गर्मी के मौसम में यह सुविधा बंद है।

इस सीजन में भोपाल में अब तक अधिकतम तापमान 42 डिग्री पहुंच चुका है। जब स्टेशन पर गाड़ियां रुकती है तो यात्रियों को पानी के लिये परेशान होते देखा जा सकता है। भोपाल स्टेशन पर रोजाना 200 से अधिक ट्रेनों का संचालन होता है। यहां का फुटफॉल 40 से 50 हजार यात्रियों तक पहुंचता है। ऐसे में यह एकमात्र बड़ा स्टेशन है, जहां यात्रियों को हर समय बड़ी संख्या में पानी की जरूरत होती है। वाटर वेंडिंग मशीनें बंद होने के कारण यात्रियों को या तो स्टेशन परिसर में मौजूद प्याऊ से पानी लेना पड़ रहा है या फिर वे बाहर से बोतलबंद पानी खरीदने के लिए मजबूर होते हैं। जानकारी के अनुसार वाटर वेंडिंग मशीनों का संचालन करने वाले पुराने ऑपरेटर का कॉन्ट्रैक्ट समाप्त हो गया था। जिसके बाद नई निविदा प्रक्रिया शुरू की गई है। अधिकारियों का कहना है कि प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है और उम्मीद है कि जल्द ही भोपाल स्टेशन पर यह सुविधा फिर से चालू हो जाएगी। लेकिन लोगों का मानना है कि जब तक यह सुविधा बहाल होगी तब तक गर्मी आधी तो बीत ही चुकी होगी।

फर्जी दस्तावेजों के जरिए नौकरी, महिला को दो साल के काठोर सश्रम कारावास की सजा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

फर्जी दस्तावेजों के जरिए नौकरी हासिल करने के मामले में न्यायालय ने एक महिला को दो साल के काठोर सश्रम कारावास सजा सुनाई है। इसके साथ ही न्यायालय ने विभिन्न धाराओं में 7 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह फैसला न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ऋष्णकांत बागरे की अदालत ने सुनाया है। लोक अभियोजन के अनुसार, मामला करीब 28 साल पुराना है। महिला ने जाति प्रमाण पत्र के आधार पर पुरातत्व विभाग में नौकरी हासिल की थी। शिकायत होने से पहले महिला लगभग दो साल तक नौकरी कर चुकी थी।भोपाल में कृष्णकांत बागरे न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की कोर्ट ने महिला को यह सजा सुनाई है। सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी गुंजन गुप्ता ने बताया कि आरोपी सपना वर्मा को धारा 420,468,471 भादवि में दोष सिद्ध पाते हुए सजा सुनाई गई है।

यह है पूरा मामला

आरोपी सपना वर्मा बारी जाति की है। उसने स्वयं को कोरी जाति का बताकर वर्ष 1988-89 में फर्जी जाती प्रमाण पत्र तैयार कराए। इस प्रमाण पत्र के आधा पर उसने पुरातत्व एवं संग्रहालय मध्य प्रदेश में नौकरी हासिल की थी। इस विभाग में सपना ने 1 जून 1993 से 24 मई 1995 तक नौकरी की। इसी बीच शिकायत के आधार पर उनकी विभागीय जांच कराने के बाद केस दर्ज कराया गया।

भोपाल में बनेगा पहला निजी डाटा सेंटर

भोपाल। मप्र का पहला निजी डाटा सेंटर भोपाल के आईटी पार्क में बनेगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव 27 अप्रैल को इंदौर में होने वाले टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव में इस प्रोजेक्ट का भूमिपूजन वर्चुअली करेंगे। यह सेंटर एशिया की सबसे बड़ी रेटेड-4 डाटा सेंटर कंपनी कंट्रोल एस द्वारा 500 करोड़ रुपए के निवेश से बनाया जाएगा। इससे 200 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। सरकार ने कंपनी को डाटा सेंटर के लिए 5 एकड़ जमीन आवंटित की है। पूरा प्रोजेक्ट 12 मेगावाट की क्षमता पर काम करेगा। मुख्यमंत्री ने आईटी उद्योगपतियों से चर्चा कर उज्जैन और इंदौर के आईटी पार्क विस्तार पर भी निर्देश दिए। सीएम 27 अप्रैल को इंदौर आईटी कॉन्क्लेव में निवेशकों से वन-टू-वन बैठक करेंगे। जीसीसी, ड्रोन, एवीजीसी और सेमीकंडक्टर नीतियों पर राउंड टेबल मीटिंग होंगी। सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन, एमओयू हस्ताक्षर और जमीन आवंटन होगा।

चिकलोद रोड, मैदा मिल इलाका

मेट्रो की राह में 150 अतिक्रमण चिन्हित, हटाने की मुहिम हुई शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में अब मैदा मिल रोड पर मेट्रो के रूट पर आने वाली बाधाओं को हटाना शुरू कर दिया गया है। अर्जुन नगर में मेट्रो के यार्ड की बाउंड्री वॉल बनाई जानी है, जिसके लिए करीब 10 और झुग्गियों को हटाया जाएगा। नगर निगम ने यहां से 6 झुग्गियां हटाई थीं। उसके बाद अन्य लोगों ने खुद से ही हटाने की सहमति दी थी। इन सभी को पीएम हाउसिंग फॉर ऑल के तहत आवास दिए जाएंगे। इसके साथ ही जहांगीराबाद में चिकलोद रोड पर करीब डेढ़ सौ अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं। भदभदा चौराहे से रत्नागिरी तिराहे तक मेट्रो की दूसरी लाइन पुल बोगदा पर पहली लाइन से क्रॉस हो रही है। यहां बनने वाले जंक्शन के लिए चिकलौद रोड पर 2.7 किलोमीटर रूट पर मेट्रो की टीम ने जिला प्रशासन के साथ सर्वे पूरा कर लिया है। इस रूट पर करीब 150 निर्माण चिह्नित किए गए हैं। इनमें से 100 शेड और 50 से ज्यादा पक्के निर्माण हैं। इसमें निजी जमीन वालों को मुआवजा आदि तय करने की प्रक्रिया की जाएगी। इसके अलावा सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने के लिए भी मुआवजा राशि तय की जाएगी। इसके लिए मेट्रो रेल कंपनी द्वारा प्रशासन को राशि दी जाएगी।

गत दिवस भी नगर निगम के अतिक्रमण अमले ने लिंक रोड नंबर-1, 2 और 3 पर फिर अतिक्रमण हटाए। इससे पहले गुरुवार को भी कार्रवाई की गई। अमले ने सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर और सार्वजनिक स्थलों से अतिक्रमण हटाए। अवैध निर्माणों को भी तोड़ा गया। यह कार्रवाई सीएम हेल्पलाइन और अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर की गई। इसके अलावा नारायण नगर, अवधपुरी, तुलसी परिसर, पिपलानी, बरखेड़ी, न्यू मार्केट के अंदर और बाहर, पंजाबी बाग, टीला जमालपुरा, इंद्रा नगर, शाहजहांनाबाद, संजय नगर, बिट्टन मार्केट, गीतांजलि कॉम्प्लेक्स चौराहा, बरखेड़ा पठानी, कोलार रोड, महाबलीपुरम गेट, डीमार्ट, ललिता नगर, सर्वधर्म कॉलोनी, बंजारी हिल्स, एमपी नगर जोन-2, प्रेस कॉम्प्लेक्स, विशाल मेगामार्ट, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, रायसेन रोड, कैपिटल पेट्रोल पंप,

मेट्रो | सबधाणी ने कहा- सपूतों में पाक को नेस्तनाबूद करने का दम

लालघाटी में भी अनूठा विरोध प्रदर्शन: पाक का निकाला दम

दोपहर मेट्रो, हिरदाराम नगर।

कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा 28 भारतीय पर्यटकों की निर्मम हत्या के विरोध में पूरे देश में आक्रोश है। इसी के चलते लालघाटी यंग क्लब के सदस्यों ने अनूठा विरोध प्रदर्शन कर यह दर्शाया कि इस दुख की घड़ी में पूरा भारत एकजुट है। प्रदर्शन में प्रतीकात्मक रूप से भारत ने पाकिस्तान को मात दी।

प्रदर्शन में आनंद सबधाणी ने कहा कि आतंकियों के आकाओं को यहां से यह संदेश देना चाहते हैं कि जरूरत पड़ने पर देश का एक-एक युवा हाथों में हथियार लेकर पाकिस्तान की ओर कूच करने में देर नहीं करेगा। आज भी देश के सपूतों में पाकिस्तान को नेस्तनाबूद करने का दम है, जो इजराइल ने हमास के साथ किया था, अब वही हमें भी करना होगा।

सबधाणी ने चेतावनी देते हुए कहा कि आज देश की कई माताओं ने अपना बेटा, कई बहनों ने अपना भाई, कई पत्नियों ने अपना पति, कई बच्चियों ने अपना पिता और कई परिवारों ने रोजी-रोटी का साथी खो दिया है। लेकिन फिर भी इस बार सरकार से सांत्वना नहीं, बल्कि बदले की उम्मीद है। मेजर जनरल श्याम सुंदर श्रीवास्तव ने कहा कि हमारी तीनों सेनाएं हर क्षेत्र में पाकिस्तान को धूल चटा सकती हैं।

प्रदर्शन में महिलाओं एवं भूतपूर्व सैनिकों सहित सैकड़ों राष्ट्रभक्त मौजूद थे, जिनमें मुख्य रूप से राजेंद्र प्रेमचंदानी, दिनेश अग्रवाल, दीपिका वाधवानी, कुमार दुबे, रवि आनंद आदि शामिल रहे।

संस्कार में पहल : कक्षाओं को दिया महापुरुषों का नाम

दोपहर मेट्रो, हिरदाराम नगर।

दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल ने एक अनूठी पहल करते हुए अपनी कक्षाओं का नामकरण देश के महान पुरुषों और विभूतियों के नाम पर किया है। विद्यालय में अब कक्षाएं सुभाष चंद्र बोस कक्ष, सुखदेव कक्ष, डॉ. ए. पी. जे अब्दुल कलाम कक्ष, आचार्य कृपलानी कक्ष, अहिल्या देवी होलकर कक्ष, अटल बिहारी वाजपेयी कक्ष, अरविंदो घोष कक्ष, बाल गंगाधर तिलक कक्ष, शहीद भगत सिंह कक्ष, शहीद चंद्र शेखर आजाद कक्ष, दयानंद सरस्वती कक्ष, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर कक्ष, केशव राव कक्ष, विक्रम साराभाई कक्ष, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कक्ष, गोपाल कृष्ण गोखले कक्ष, गुरु नानक देव कक्ष, गुरु गोविंद सिंह कक्ष, शहीद हेमू कालानी कक्ष, खुदी राम बोस कक्ष, लाल बहादुर शास्त्री कक्ष, लाला लाजपत राय कक्ष, लोकमान्य तिलक कक्ष, मंगल पाण्डे कक्ष, शहीद प्रेम रामचंदानी कक्ष, पंडित मदन मोहन मालवीय कक्ष, राजा राम मोहन रॉय कक्ष, रामकृष्ण परमहंस कक्ष, राम प्रसाद बिस्मिल कक्ष, रानी लक्ष्मीबाई कक्ष, रवींद्रनाथ टैगोर कक्ष, सरदार वल्लभ भाई पटेल कक्ष, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कक्ष, तात्या टोपे कक्ष, उद्धम सिंह कक्ष, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन कक्ष, संत हिरदाराम साहिब कक्ष, श्री कृष्ण भगवान कक्ष, संत कंवरराम कक्ष, महाकवि तुलसीदास कक्ष, महाकवि कालिदास कक्ष, महर्षि वाल्मीकि कक्ष, दादा टी. एल. वासवानी कक्ष, दादा जे. पी. वासवानी कक्ष, भगवान श्री झूलेलाल कक्ष और भगवान श्री कृष्ण कक्ष के नाम से जानी जाएंगी। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, सह-सचिव नरेश वासवानी, लेखा-परीक्षक पुरषोत्तम टिलवानी, गुलाब सेजवानी, राजकुमार झमटानी, नानकराम पारवानी, श्री नारायणदास लालवानी एवं के. टी. दादलानी सहित सभी पदाधिकारियों ने इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बच्चे इन महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर चलकर उनके जीवन से प्रेरणा लेंगे और अपना भविष्य उज्जवल बनाएंगे।

डीजीपी ने जारी किए निर्देश, मुलाकात में भी प्राथमिकता मिलेगी

अब सांसद-विधायकों को सैल्यूट करेगी पुलिस, शिष्टता से करेगी संवाद

दोपहर मेट्रो, भोपाल

मध्यप्रदेश में पुलिस अब सांसद और विधायकों को भी सैल्यूट करेगी। डीजीपी कैलाश मकवाना ने इस संबंध में बकायदा आदेश जारी कर कहा है कि किसी भी जनप्रतिनिधि के साथ शिष्ट व्यवहार में कमी नहीं होनी चाहिए। अगर सांसद और विधायक मिलने आएं तो पुलिस अफसरों को प्राथमिकता के आधार पर मुलाकात कर उनकी बात सुननी होगी। डीजीपी की ओर से यह निर्देश हाल में जारी किए गए हैं। दरअसल यह निर्देश पहले भी समय समय पर जारी होते रहे हैं।

डीजीपी मकवाना ने कहा है कि सांसदों, विधायकों द्वारा जब भी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से मोबाइल या फोन पर जन समस्या को लेकर संपर्क किया जाता है तो अधिकारी-कर्मचारी की जिम्मेदारी होगी कि संवाद के दौरान ध्यान से उनकी बात सुनेंगे और शिष्टता के साथ जवाब देंगे। डीजीपी ने सांसदों-विधायकों के सम्मान को लेकर जारी निर्देश में 8 अलग-अलग परिपत्रों का जिक्र किया है। ये सर्कुलर पुलिस अफसरों के लिए 23 जनवरी 2004, 18 मई 2007, 22 मार्च 2011, 24 अक्टूबर 2017, 19 जुलाई 2019, 11 दिसंबर 2019, 12 नवंबर 2021 और 4 अप्रैल 2022 को शासन की ओर से जारी किए गए हैं।

सलामी परंपरा को लेकर हुआ था विवाद

उल्लेखनीय है कि करीबचार महीने पहले पुलिस के भीतर ही सलामी परंपरा को लेकर एक विवाद हुआ था तब पूर्व डीजीपी सुधीर सक्सेना के रिटायरमेंट से ठीक पहले एक सर्कुलर स्पेशल डीजी शैलेष सिंह की ओर से जारी किया गया था। इसमें 2007 के सर्कुलर का जिक्र कर कहा गया था- मुख्यमंत्री, मंत्री और अन्य पुलिस अफसरों को सलामी परेड देने की परंपरा खत्म कर दी गई है। सिर्फ राज्यपाल को ही सलामी दी जा सकती है। यह पत्र सभी रेंज आईजी, डीआईजी और पुलिस अधीक्षकों को भेजा गया था। इसके चलते पूर्व डीजीपी की सेवानिवृत्ति पर बगैर सलामी परेड के ही विदाई हुई थी।

जिला स्तर पर एकत्रित की जाएगी दुर्घटनाओं की सूचना

पीएमश्री एयर एंबुलेंस अब घायलों तक डॉक्टरों-स्टॉफ को पहुंचाएंगी

ऐसी घटनाओं में गंभीर घायलों को कम से कम समय में उपलब्ध कराई जाएगी एयर एंबुलेंस

दोपहर मेट्रो, भोपाल

भोपाल। घायलों को अस्पतालों तक पहुंचाने वाली पीएमश्री एयर एंबुलेंस अब घायलों तक डॉक्टरों व प्रशिक्षित मेडिकल कर्मियों पहुंचाएंगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को यह नई व्यवस्था करने के निर्देश दिए है। जब भी कोई बड़ी घटना होती हैं तब कई बार अधिक लोग गंभीर घायल हो जाते हैं, एयर एंबुलेंस सीमित होने के कारण इनमें से चुनींदा मरीजों को ही बाहर के अस्पतालों में शिफ्ट कर पाती हैं। बाकी के मरीजों को ठीक इलाज मिले, इसलिए इन एंबुलेंसों की मदद से अब घटना स्थलों के आसपास के अस्पतालों तक नामी डॉक्टरों व स्टॉफ को पहुंचाया जाएगा।

सीएस ने कहा- इलाज मिलने में देरी न हो

सीएस अनुराग जैन ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं और आपदाओं में गोल्डन ऑवर ट्रीटमेंट जरुरी है। इसके लिए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय जरुरी सेवाओं के प्रावधान कर रहा हैं। मंत्रालय से संपर्क कर सेवाओं के बेहतर उपयोग और प्रबंधन को सुनिश्चित करें। बैठक में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य संदीप यादव व आयुक्त विमानन चंद्रमौली शुक्ला ने भी अपनी बात रखी, बताया कि अब तक 61 रोगियों को मिली पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा का लाभ दिया। बता दें कि उक्त सेवा के तहत 1 हेली एम्बुलेंस और 1 फिक्स्ड विंग कन्वर्टेड फ्लाइंग एम्बुलेंस का संचालन किया जा रहा है।

घटना में कितने घायल, उनकी हालत कैसी, यह भी तुरंत पता चले

गंभीर घायलों तक पीएमश्री एयर एंबुलेंस कम से कम समय में पहुंचेगी। इसके लिए जिला स्तरों पर तंत्र विकसित किया जाएगा, जिसके तहत दुर्घटनाओं की तत्काल सूचनाएं मिल सकेंगी। ऐसी घटनाओं में घायलों की वास्तविक स्थिति का कम से कम समय में आकलन किया जाएगा। इस आधार पर तय करेगा सेवा उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि जानमाल की हानि को कम से कम किया जा सके। सीएम डॉ. मोहन यादव ने यही बात शुक्रवार पीएमश्री एयर एंबुलेंस सेवा की समीक्षा बैठक में अधिकारियों से कही। कहा कि उक्त सुविधा का व्यापक प्रचार-प्रसार और जिला स्तर पर बेहतर विभागीय समन्वय किया जाए। ऐसे क्षेत्रों में जहां उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं हैं, वहां पीपीपी मोड पर अस्पताल बनाएं।

मुख्यमंत्री ने रतलाम और रीवा की रीजनल न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशालाओं का किया वर्चुअल शुभारंभ

रीवा, रतलाम की प्रयोगशालाओं से जल्दी पकड़े जाएंगे आरोपी, आम लोगों को मिलेगी मदद

दोपहर मेट्रो, भोपाल

रतलाम और रीवा की रीजनल न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशालाओं से आरोपियों को पकड़ने में न केवल मदद मिलेगी, बल्कि पकड़े गए आरोपियों को सजा दिलाने में तेजी आएगी। जितनी मदद पुलिस की होगी, उससे कहीं ज्यादा फायदा आपराधिक घटनाओं से पीड़ित व्यक्ति व उनके रिश्तेदारों की होगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने इन प्रयोगशाालाओं का शुक्रवार वर्चुअली शुभारंभ किया। इनकी मदद से रीवा, सतना, सिंगरौली, मैहर तथा रतलाम नीमच और मंदसौर क्षेत्रों में घटना स्थल पर ही टॉक्सिकोलॉजी, रसायन और जीव विज्ञान से संबंधित प्रकरणों का परीक्षण किया जा सकेगा। पुलिस, फॉरेंसिक साइंस और न्यायपालिका जस्टिस डिलेवरी सिस्टम के अभिन्न अंग हैं। यह तीनों अंग जितने ज्यादा सशक्त होंगे, उतना ही वहां के नागरिक सुरक्षित होंगे और आपराधिक गतिविधियां नियंत्रण में रहेंगी।

नए कानून से मिलेगी मदद

सीएम ने कहा कि करीब 3 हजार से अधिक अनुपयोगी और अप्रचलित कानून निरस्त हुए हैं। नए कानूनों में ऑडियो-वीडियो रिकार्डिंग, फॉरेंसिक साक्ष्य की वीडियोग्राफी और पूछताछ में डिजीटल रिकार्ड को कानूनी आधार देने की व्यवस्था की गई है। कोर्ट के कामकाज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स, वीडियो कांफ्रेसिंग, मोबाइल ऐप, वर्चुअल सुनवाई आदि का उपयोग बड़े पैमाने पर हो रहा है। प्रदेश में भोपाल, सागर, ग्वालियर, इंदौर और जबलपुर में फॉरेंसिक साइंस लैब की स्थापना की जा चुकी है। यह सब प्रयास लोगों को सही सटीक और शीघ्र न्याय दिलाने में सहायक होंगे। सीएम के साथ अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया, डॉ राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए थे।

दो माह के लिए आंदोलन हुआ स्थगित

पीएस के निर्देश पर पिघले एमडी, रिटायर्ड कर्मियों से चर्चा को राजी

दोपहर मेट्रो, भोपाल

मप्र बीज विकस निगम के जिन सेवानिवृत्त कर्मचारियों की ग्रेच्युटी, समयमान वेतन और अन्य मांगों का पिछले छह साल से निराकरण नहीं हो रहा था। उसके निराकरण की उम्मीद अब बंधी है। दरअसल रिटायर कर्मचारियों ने प्रमुख सचिव किसान कल्याण से इस मामले की शिकायत की। प्रमुख सचिव के निर्देश के बाद अब मामले के हल होने का रास्ता साफ हुआ है। आंदोलन कर रहे रिटायर कर्मचारियों से अब तक मिलने से मना कर रहे बीज निगम के एमडी ने उनकी मांगें सुनीं और निराकरण के लिए आश्वस्त किया है। अर्द्धशासकीय कर्मचारी संघ के महासचिव अरुण वर्मा ने बताया कि बीज निगम के रिटायर हो चुके कर्मचारियों का 2019 से ग्रेच्युटी, अवकाश नगदीकरण, समयमान वेतन की मांगों को लेकर तीन दिन से धरना-प्रदर्शन चल रहा था। इसे लेकर वे दो दिन पहले प्रमुख सचिव से मिले थे। प्रमुख सचिव ने एमडी बीज निगम से समस्या सुनने के लिए कहा था। इसके बाद एमडी ने प्रदर्शन कर रहे रिटायर कर्मचारियों को चर्चा के लिए बुलाया। वर्मा ने बताया कि प्रमुख सचिव एवं प्रबंध संचालक ने आश्वासन दिया है कि कर्मचारियों की प्रमुख मांगों का अति शीघ्र निराकरण किया जाएगा। जिनकी जांच में गंभीर वित्तीय अनियमितता नहीं मिलती है, उनका भी निराकरण किया जाएगा।एमडी के साथ चर्चा में महासचिव अरुण वर्मा, एससी त्रिपाठी, राजेश वर्मा, एसएस तिवारी वीपी व्यास एवं आरएस सिंह उपस्थित थे । प्रबंध संचालक के आश्वासन के बाद रिटायर कर्मचारियों ने धरना-प्रदर्शन स्थगित कर दिया और कहा कि दो माह तक फैसले का इंतजार करेंगे। इसके बाद भी अगर निराकरण नहीं होता, तो फिर आंदोलन करेंगे।

नीति आयोग को पसंद आया मंडला के नारायणगंज विकासखंड का विकास मॉडल

दोपहर मेट्रो, भोपाल

नीति आयोग को प्रदेश के मंडला के नारायणगंज विकासखंड में हुए काम पसंद आए है। इस विकासखंड के गांवों में मातृ-शिशु स्वास्थ्य, बाल विकास, शिक्षा और कृषक कल्याण जैसे क्षेत्रों में अच्छे काम हुए। विकासखंड स्तर पर 98.66 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का शीघ्र एएनसी पंजीकरण किया गया। इससे सुरक्षित गर्भावस्था और नवजात स्वास्थ्य को प्राथमिकता मिली। बच्चों के पोषण और प्रारंभिक विकास को सशक्त बनाने की दिशा में आंगनवाड़ी केंद्रों पर 98.48 प्रतिशत बच्चों का नियमित विकास मापन किया गया। यही नहीं, शिक्षा के क्षेत्र में भी नारायणगंज ने अच्छा काम किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नारायणगंज में जमीनी स्तर पर समावेशी और परिणाम आधारित काम हुए, प्रदेश के दूसरे विकासखंडों में भी यहां हुए कामों का अनुशरण किया जाएगा। नारायणगंज ने राष्ट्रीय स्तर पर एक करोड़ रूपये की प्रोत्साहन राशि अर्जित की है, जिसे विकासखंड के विकास पर खर्च किया जाएगा।

विद्यार्थियों को सिखाए आपदा प्रबंधन के गुर

भोपाल। एनडीआरएफ द्वारा भदभदा स्थिति अनुसूचित जाति एवं जनजातीय महाविद्यालयीनबाल छात्रावास में आपदा प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। प्राकृतिक आपदा के दौरान जीवनरक्षक, प्राथमिक उपचार एवं प्रबंधनपर केन्द्रित कार्यशाला में एनडीआरएफ के द्वारा छात्रों एवंस्टॉफ को आपदा संबंधी विभिन्न पहलूओं पर प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय आपदा राहत दलकी 11वीं बटालियन के निरीक्षक सत्यजीत सिंह की अध्यक्षता में किया गया। सहायक आयुक्त अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित इस छात्रावास के छात्रों को एनडीआरएफ के प्रशिक्षकों द्वारा सर्पदंश, सीपीआर देने एवं प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया गया। छात्रों को सीपीआर की प्रक्रिया के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। प्राकृतिक आपदा के अंतर्गत बा? एवं भूकंप जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिये मॉकड्रिल के माध्यम से शेडो प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। कार्यशाला के दौरान काउंसलिंग अधिकारी अमित कुमार अरजरिया ने आपातकालीन घटनाओं आपदा की स्थिति में सतर्क और जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को किसी भी आपदा की स्थिति से निपटने के लिये तैयार करना है।

प्रदेश में बढ़ेगी औद्योगिक गतिविधियां

छोटे उद्योगों के लिए 1100 प्लॉट, 1 मई से आवंटन

दोपहर मेट्रो, भोपाल

प्रदेश के छोटे उद्योगों को गति देने के लिए सरकार नए सिरे से तैयार है। 1100 प्लाट आवंटन के लिए उपलब्ध कराए गए हैं, यह प्रक्रिया 1 मई से शुरू होगी। इसके अलावा उद्योगपतियों को खाली लैंडबैंक की जानकारी दी जाएगी।

55 हजार करोड़ रुपए के निवेश से प्रदेश में 17 लाख 55 हजार पंजीकृत एमएसएमई इकाईयां चल रही हैं, जो 92 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दे रही है। 5 हजार 300 स्टार्ट-अप हैं, इसमें से 2500 से अधिक के संचालन का नेतृत्व महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। अनुपूरक बजट के माध्यम से प्राप्त 1475 करोड़ रुपए की राशि से एमएसएमई इकाईयों के मार्च 2025 तक के लंबित अनुदान दिए गए। ग्वालियर व्यापार मेले में 3 हजार 327 करोड़ रुपए का व्यापार हुआ। निवेशकों को लैंड बैंक से जुड़ी जानकारी दी जा रही। 1100 से अधिक प्लाट 1 मई से आवंटन के लिए उपलब्ध रहेंगे। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में विभाग की उपलब्धि लक्ष्य से अधिक है। मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में हुए भारत अंतर राष्ट्रीय व्यापार मेले में मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम को स्वर्ण पदक से पुरस्कृत होने पर खुशी जताई।

अब मप्र में एक परिवार से एक को रोजगार

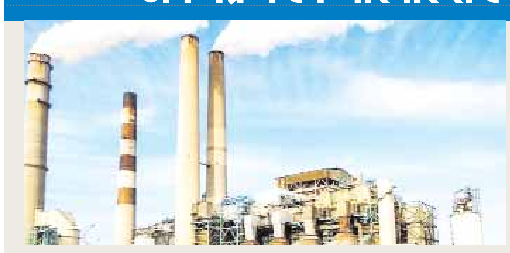

प्रदेश सरकार एक परिवार के एक व्यक्ति को रोजगार देने जा रही है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग की समीक्षा बैठक में अफसरों को इस संबंध में निर्देश दिए हैं। कहा है कि मध्यप्रदेश में विकास की अपार संभावनाएं हैं। हर क्षेत्र उम्मीदों से भरा है। केवल जमीनी स्तर पर काम करने की जरुरत है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के जरिए यह संभव है। प्रत्येक परिवार में कम से कम एक व्यक्ति को रोजगार अथवा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले की परिस्थिति और उपलब्ध दक्षता के अनुसार गतिविधियों का विस्तार तेजी से करें। तेल घानी, मसाला-आटा चक्की, कोदो-कुटकी व अन्य मिलेट की प्र-संस्करण इकाई जैसे सूक्ष्म उद्योगों से युवाओं को जोड़ते हुए सम्पूर्ण प्रदेश में समान रूप से उद्यमिता का विस्तार हो। इसमें खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि उपज मंडियों को आधुनिक स्वरूप दें। इनमें दूध, सब्जी आदि को सुरक्षित रखने की सुविधा हो, रतलाम से इसकी शुरूआत करें।

हर दो माह में मनेगा उद्योग-रोजगार दिवस

बैठक में तय किया कि वर्ष-2025 को उद्योग और रोजगार वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है इसलिए दो माह के अंतराल में राज्य के अलग-अलग अंचलों में उद्योग-रोजगार दिवस मनाया जाएगा। पॉवरलूम सहित अन्य परम्परागत उत्पादन इकाईयां शुरू की जाएंगी। विशेषज्ञों का सहयोग लेकर कौशल उन्नयन तथा तकनीकी दक्षता में सुधार के लिए क्षेत्रीय स्तर पर कैम्प लगेंगे। एमएसएमई-डे के अवसर पर 27 जून को इंदौर में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम पर केन्द्रित भव्य कार्यक्रम होगा। सितंबर माह में भोपाल में स्टार्ट-अप पर केन्द्रित कार्यक्रम करने की योजना है।

संपादकीय

सोना अब सिर्फ सुनहरी कहानियों में

भारतीय जनमानस के लिए सोना एक ऐसी वस्तु है, जो उसके सपनों में बसती है। इसके आभूषण सामाजिक प्रतिष्ठा का पैमाना बनते हैं। मगर सोना अब आम-साधारण लोगों के लिये सिर्फ कल्पना या कहानी बनता जा रहा है। दो तीन दिन पहले ही जब खबरें सुर्ख हुई कि सोना एक लाख रूपये प्रति तोला का भाव भी पार कर गया है तो यह सबसे बड़ी चर्चा का विषय रहा, खासघर घरों में। इस अभूतपूर्व उछाल के बाद भी सोना अपने शिखर पर ठहरा हुआ है। यह अनचाहा हो सकता है लेकिन हकीकत तो अब यही है। जिस तरह सोने की इसकी कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ था, उससे इसके इस स्तर पर पहुंचने का अनुमान पहले से लगाया जा रहा था। सोने की कीमत बढ़ने की कुछ वजहें साफ नजर आती हैं। अमेरिकी शुल्क नीति के कारण जिस तरह दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता का वातावरण है, उसमें सोने की कीमत बढ़नी तय थी। दूसरे, बढ़ती महंगाई को काबू में करने के लिए दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती कर रखी है, जिससे आम लोगों को बैंकों में पैसे रखने के बजाय सोने में निवेश करना ज्यादा फायदेमंद लगने लगा है। इस वजह से लोग सोना अधिक खरीदने लगे हैं। इसके अलावा, डॉलर की कीमत कम होने से भी विदेशी निवेशकों के लिए सोना खरीदना सस्ता हो गया है। फिर, विभिन्न देशों में संघर्ष के चलते पैदा हुई आर्थिक अनिश्चितता के कारण कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने भारी मात्रा में सोना खरीद कर जमा करना शुरू कर दिया है। बीते कुछ समय से सोने की मांग न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में बढ़ी है। मगर इसके बरक्स सोने के खनन में कमी आई है। जब उत्पादन कम होता है और मांग बढ़ती है, तो वस्तुओं की कीमतें बढ़ती ही हैं। इसलिए यह अकारण नहीं है कि पिछले साढ़े तीन महीनों में ही सोने की कीमत में करीब छब्बीस फीसद की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि सोने की कीमत में बढ़ोतरी का रुख अभी बना रहेगा और यह सवा लाख रुपए प्रति दस ग्राम तक पहुंच सकती है। निस्संदेह इससे निवेशकों को तो लाभ होगा, मगर आम लोग जो शादी-विवाह के अवसर पर सोने की खरीद करते हैं, उनके सामने कठिन स्थिति पैदा हो गई है। इसके अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक प्रभाव नजर आएंगे। जिस तरह पिछले दो वर्षों में सोना गिरवी रख कर कर्ज लेने का आंकड़ा हैरान करने वाली गति से बढ़ा है, आय के अवसर लगातार सिकुड़ते गए हैं, उसमें सोने की बढ़ती कीमत उन पर अतिरिक्त मार साबित होगी। अक्सर कहानियों में कहा जाता था एक ऐसा पत्थर होता है,उससे जिस चीज को छू लिया जाए वह सोने की हो जाती है। यह कल्पना रोमांचित करती थी लेकिन हकीकत में ऐसा अब कुछ नहीं है, सोने की कीमतें जिस एक लाख के स्तर को पार कर चुकी हैं, वहां से इन कीमतों का लौटना या कीमत में गिरावट अब संभव नहीं नजर आती। पिछले दो दशक में देखा भी गया है कि सोने की कीमतें जिस अनुपात में बढती हैं, उसकी तुलना में कमी कभी नहीं आती। कभी छिटपुट कुछ रुपये की गिरावट भले ही सुन ली जाती हो लेकिन असल में कुछ समय बाद उससे भी तेज छलांग लगाकार सोना और दूर हो जाता है। अधिकांश लोगों के जेहन में अब यह सिर्फ सुनहरी कहानी की तरह होता जा रहा है। हालांकि जिस अनुपात में कीमतें बढती हैं, उस अनुपात में लोगों की कमाई बढती तो शायद सोने की कीमतों पर इतना बवाल भी न होता !

मीठे वचन चारों ओर सुख ही सुख फैलाते हैं। ऐसे वचन किसी को भी अपना बना लेते हैं। इसलिए हर व्यक्ति को चाहिए कि वह कठोर वचनों को छोड़कर मीठा बोलने का प्रयास करें।

- तुलसीदास

देश में बलात्कार की समस्या कानूनी विफलता की देन नहीं, हम पुरुषों को महिला सम्मान का पाठ नहीं पढ़ाते

■ **कार्ति पी. चिदंबरम**

भारत में जितनी संख्या में और जितनी बर्बरता से यौन अपराध हो रहे हैं वह भारत का नाम बदनाम कर रहे हैं. समाचार देने वाले बड़े अंतर्रष्ट्रीय मंच यहां पर्यटकों के बलात्कार, महिलाओं के साथ हिंसा और उन्हें देर से या कभी न मिलने वाले इंसाफ की खबरें देते रहते हैं। अभी पिछले महीने, विश्व धरोहर स्थल हंपी के पास रात में सैर कर रहीं दो महिलाओं और तीन पुरुषों के एक समूह, जिसमें एक अमेरिकी और दो भारतीय पर्यटक थे, के साथ क्रूर हिंसा की गई. इस समूह की दो महिलाओं में एक इज़रायली पर्यटक थीं और दूसरी उन्हें होम-स्टे की सुविधा देने वाली महिला थीं. कथित रूप से, उनसे पैसे मांगने आए तीन पुरुषों ने उनका सामूहिक बलात्कार किया. इन महिलाओं के साथ जो लोग थे, उनके साथ मारपीट की गई और तुंगभद्र नहर में फेंक दिया गया जिससे एक की मौत हो गई।उन सबके साथ जो किया गया केवल वही आतंकित नहीं करता बल्कि यह तथ्य भी दहशत में डालता है कि अंतर्रराष्ट्रीय धरोहर स्थल भी महिलाओं के लिए सुरक्षित नहीं है. ऐसी ही एक घटना अकेले सैर करने आई एक ब्रिटिश महिला के साथ भी हुई, जिनका बलात्कार उस व्यक्ति ने किया जिसके साथ उनका परिचय इंस्टाग्राम पर हुआ था. इसी तरह, एक स्पेनी महिला 'व्लोगर' का झारखंड में समूहिक बलात्कार किया गया, जो अपने ब्राजीलियाई पति के साथ घूमने आई थीं. इस विडंबना से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि यह 'व्लोगर' दंपती दुनिया के सबसे उपद्रवग्रस्त देशों से तो बचकर निकल गए, लेकिन उन्हें उस देश में अपमानित किया गया जिसे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है।

भारत में केवल विदेशी पर्यटकों को यौन हिंसा का सामना नहीं करना पड़ता; अपने देश की महिलाओं के मामले में यह समस्या कहीं ज्यादा गंभीर है. उदाहरण के लिए कुख्यात आरजी कर बलात्कार एवं हत्याकांड को लिया जा सकता है. आपको याद ही होगा कि अगस्त 2024 में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 31 साल की पोस्ट-ग्रेजुएट मेडिकल इंटर्न का बलात्कार किया गया था. इस वारदात ने पूरे देश को क्रुद्ध कर दिया था. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से दिए अपने भाषण में भी इस घटना का ज़िक्र किया था और 'हर सरकार' से अपील की थी कि वह ऐसे मामलों को पूरी गंभीरता से लें. अब 2025 में आ जाइए, पीड़िता की मां आज भी इंसाफ की मांग कर रही हैं, मार्च में वह प्रधानमंत्री से मुलाकात करने की अपील कर रही थीं. 'मेरी बेटी ने एक बड़ा सपना देखा था. हमने कभी सोचा भी नहीं था कि उसकी मौत इस तरह होगी. उसे गए सात महीने हो गए हैं, लेकिन न्याय कहां मिला?' मूल संकट सिर्फ यह नहीं है कि ये अपराध बार-बार हो रहे हैं, बल्कि यह है कि व्यवस्था इन्हें रोकने या पीड़िता को न्याय दिलाने में विफल रहती है. 2012 के निर्भया बलात्कार कांड के बाद लाखों लोग सड़कों पर उतर आए थे. पहली बार ऐसा लगा था कि पूरा देश उठ खड़ा हुआ है. लोगों में गुस्सा था, एकता थी और यह उम्मीद जगी थी कि हालात बदलेंग। लेकिन करीब डेढ़ दशक बाद वह उम्मीद टूट चुकी है और हालात जस के तस हैं. अपराध उतना ही वीभत्स है, कभी-कभी तो उससे भी बुरा. कानून भले बदले हों, रवैया वही है. बलात्कारी बेखौफ हैं और न्याय-व्यवस्था पंगु बनी हुई है. भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराध के लिए सज़ा दिलाने की दर 2018-2022 से ही 27-28 प्रतिशत पर स्थिर है।कानून का डर कहां है? अपराधियों को जब अपराध करने का कोई दंड नहीं मिलता तो उनका हौसला और बढ़ता है. हंपी बलात्कार कांड के बाद उसकी खबरें फीकी हो गईं, केवल बाद में की गई कार्रवाइयों की कुछ रिपोर्ट छपी. क्या बलात्कारियों को पकड़ा गया, उन पर मुकदमा चला, उन्हें सज़ा मिली? लोगों को कुछ नहीं मालूम. इससे यही ज़ाहिर होता है कि भारत में न्याय एक गारंटीशुदा अधिकार नहीं बल्कि सिर्फ उम्मीद की एक फुसफुसाहट मात्र है।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) की आंकड़ों के मुताबिक, 2021 में बलात्कार के 31,677 मामले दर्ज किए गए थी, यानी बलात्कार की रोज़ाना औसतन 86 घटनाएं हुईं, लेकिन यह तो केवल दर्ज किए गए मामलों का आंकड़ा था. सच कहीं ज्यादा भयावह है. पूर्व आईपीएस अफसर एस.आर. दारापुरी ने हाथरस में सामूहिक बलात्कार तथा हत्या के चिंताजनक मामलों का ज़िक्र किया, जिनमें पुलिस ने पीड़िता के बयान तक नहीं दर्ज किए, सरकारी दस्तावेज़ में हेरफेर किया गया और पीड़िता के शव का देर रात में गुपचुप तरीके से अंतिम संस्कार करने की कोशिश की गई। चौंकाने वाली बात है कि वैवाहिक रिश्ते में बलात्कार के मामले भारत में अभी भी कानून की पहुंच से बाहर हैं. वैवाहिक रिश्ते से अलग, बिना सहमति के सेक्स को कानूनन बलात्कार माना गया है,

लेकिन वैवाहिक रिश्ते में इसी तरह का व्यवहार कानून के दायरे में नहीं आता. अगर ऐसे मामले कानूनी दायरे में आ गए तो यौन हिंसा की दर कागज़ पर भी आसमान छूने लगेगी। 2018 में देश में यौन अपराध के 99 फीसदी मामले दर्ज नहीं किए जा रहे थे, खासकर पत्नी के साथ हिंसा के मामले. इस दावे की पुष्टि नेशनल फेमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस) से भी होती है जिसके मुताबिक, 30 फीसदी भारतीय महिलाएं अपने पति द्वारा शारीरिक और यौन हिंसा से पीड़ित थीं। आम धारणा के अनुसार, ज़रूरी नहीं कि बलात्कारी अंधेरे में छिपा कोई अजनबी ही हो. वह कोई रिश्तेदार, पड़ोसी, या परिचित भी हो सकता है. उनमें बहुसंख्या युवाओं की होती है, जो प्रायः कम पढ़े-लिखे होते हैं और उस समाज में पाले-बढ़े होते हैं जो महिलाओं को मनुष्य नहीं मानता। शोधकर्ताओं ने जब आरोपित बलात्कारियों से पूछा कि क्या उन्होंने इससे पहले किसी को यौनाचार करने पर मजबूर किया था, तो उनमें से कई का जवाब 'हां' था, लेकिन उनसे जब यह पूछा गया कि उन्होंने इसके पहले किसी का बलात्कार किया था, तो उनका जवाब 'ना' था. उनकी मानसिक विकृति दहशत पैदा करती है. कई बलात्कारी अपनी करतूतों को लेकर कभी बुरा नहीं महसूस करते और इसमें पीड़िता की गलती बताते हैं या पीड़िता की इच्छा बताते हैं. इस तरह वह अपनी ज़िम्मेदारी से बचते हुए अपनी करतूतों को उचित ठहराने की कोशिश करते हैं। पीड़िता को दोषी ठहराने की प्रवृत्ति गहरी है. उनका प्रायः यह कहना होता है कि 'उसे रात में बाहर नहीं निकलना चाहिए था', 'उसे इतने तंग कपड़े नहीं पहनने चाहिए थे', वगैरह-वगैरह. इस तरह का आपराधिक और विकृत सोच आम है. यह हमारे समाज की हकीकत है, जिसमें महिलाओं को स्वतंत्र मनुष्य नहीं बल्कि ऐसी चीज़ समझा जाता है जिस पर नियंत्रण रखना ज़रूरी है, अन्यथा उनका उल्लंघन किया जाता है। बलात्कार के इस पहलू की अक्सर अनदेखी की जाती है कि बलात्कारी ताकत, ज़ोर-जबरदस्ती और डर का इस्तेमाल करके पीड़िता के आत्मबल को तोड़ता है और उसे बेबस करता है या सहमत होने पर मजबूर करता है. पीड़िता को जो चोट पहुंचाई जाती है वह उसे गहरे भावनात्मक जख्म देती है, जो शरीर के घाव भरने के बाद भी लंबे समय तक हरे रहते हैं। बलात्कार केवल वासना नहीं है, यह अपना वर्चस्व जताने का भी एक उपक्रम है जिसकी जड़ें अधिकार की नशीली संस्कृति में धंसी होती हैं जो व्यक्ति को उसकी स्वायत्तता से वंचित करती है. बलात्कारी पीड़िता पर अपना दबदबा जताता है और लिंग संबंधी घातक समीकरण और सामाजिक असमानताओं को मजबूती देता है। अधिकार, नियंत्रण और पीड़ित को दोषी बताने की इस गहरी प्रवृत्ति से समाज जब तक नहीं निबटता, तब तक सच्चा न्याय और समानता महिलाओं की पहुंच से दूर ही रहेगी। भारत में बलात्कार की समस्या केवल कानूनी विफलता का मामला नहीं, यह समाज, समाजीकरण और सामाजिक अनुकूलन की भी विफलता का मामला है. लंबे समय से प्रायः सारे परिवार अपने बेटों को अधिकार की संस्कृति में पालते रहे हैं, न कि सहानुभूति की संस्कृति में – ऐसी संस्कृति में जिसमें पुरुषों को महिला का सम्मान, उनकी सहमति, या स्त्री-पुरुष समानता की ज़रूरत का कोई एहसास नहीं होता. घर में इन बातों पर चुप्पी समाज में मिलीभगत का रूप ले लेती है. जब तक युवाओं को यह नहीं बताया जाता कि महिलाएं उनकी समकक्ष हैं जिन्हें समान अधिकार, समान एजेंसी, समान गरिमा हासिल है तब तक कोई कानून महिलाओं के खिलाफ हिंसा को रोक नहीं सकता। कानून लिखे जा सकते हैं और सुधारे जा सकते हैं और सज़ा बढ़ाई जा सकती है, लेकिन जब तक यौन हिंसा, पीड़ित को दोषी बताने और अपराधी को बचाने की संस्कृति कायम रहेगी तब तक न्याय नहीं हो सकता. समाज की मानसिकता, जो पितृसत्ता, पीड़िता को ही शर्मसार करने, और इज्जत-आबरू की विषैली धारणाओं में जड़ जमाए होती है वह बलात्कार को न केवल एक संभावना बना देती है बल्कि वह खुद एक ऐसा कवच बन जाती है जिसे अक्सर मजबूती प्रदान की जाती है।

हर एक न्याय व्यवस्था की सफलता दो बातों पर निर्भर होती है – सज़ा की कठोरता और सज़ा दिलाने की संभावना पर. भारत में पहली बात पर ज़ोर दिया जाता है और अपराधी के लिए कड़ी से कड़ी सज़ा की घोषणा की जाती है, लेकिन इस नीति का कोई फल नहीं निकला है. सच क्रूर है मगर स्पष्ट है -कि सज़ा का डर तभी कारगर होता है जब सज़ा मिलना मुमकिन लगता हो. भारत में इसकी संभावना अक्सर नहीं के बराबर होती है. इसके अलावा, विडंबना यह है कि जुर्माने में बढ़ोतरी पीड़िता को ऐसी घटनाओं की खबर देने से रोक सकती है, खासकर तब जब बलात्कारी रिश्तेदार या परिचित हो. दीर्घकालिक समाधान न केवल कड़े कानूनों में है, बल्कि मानसिकता परिवर्तन में है। शिक्षा, जागरूकता और महिलाओं के सम्मानजनक सह-अस्तित्व के बारे में सही जागरूकता को पूर्व-शर्त बनाना ज़रूरी है. युवा महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में भी शिक्षित होने की ज़रूरत है. स्कूलों में लड़का-लड़की की समानता को सिद्धांत से ज्यादा जीने के मूल्यों के रूप में पढ़ाने की ज़रूरत है। एक राष्ट्र के रूप में हमें इस महामारी का इलाज केवल अदालतों में नहीं बल्कि स्कूली कक्षाओं और घरों में, मीडिया में और सड़कों पर करना होगा क्योंकि जब तक ऐसा नहीं करेंगे, भारत में कोई महिला सुरक्षित नहीं रह पाएगी।जिस राष्ट्र की आधी आत्मा भयग्रस्त रहेगी उसका कभी उत्कर्ष नहीं हो सकता. भारत जब तक अपनी महिलाओं पर शासन करना नहीं बल्कि उनकी रक्षा करना नहीं सीखेगा तब तक वह सही मायनों में आज़ाद नहीं हो पाएगा।

(साभार : लेखक कांग्रेस सांसद हैं, यह उनके विचार हैं)

हिन्दी विरोध की संकीर्ण राजनीति के दंश

■ **ललित गर्ग**

हिंदी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति का आक्रामक होना कोई नयी बात नहीं है लेकिन तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध यही बताता है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से किस तरह भाषा को हथियार बनाया जा रहा है। विभिन्न राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। हिन्दी दुनिया का तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा बनने की ओर अग्रसर है। हिन्दी विदेशों में सम्मान पा रहे हैं और अपने ही देश में उपेक्षा एवं विवाद का शिकार बन रही है। महाराष्ट्र और अन्य गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी की स्वीकार्यता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि उसकी उपयोगिता सिद्ध हो रही है। हिंदी का मराठी या अन्य किसी भाषा से कोई झगड़ा नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि हिंदी का विरोध उस महाराष्ट्र में हो रहा है, जिसकी राजधानी हिंदी फिल्म उद्योग का गढ़ है? हिंदी फिल्म उद्योग ने मुंबई को न केवल प्रतिष्ठित किया है, बल्कि महाराष्ट्र के लोगों को लाभान्वित भी किया है। क्या राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे आदि हिंदी फिल्म उद्योग का भी विरोध करेंगे? ऐसा करके वे अपने राज्य के लोगों के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम करेंगे। यह किसी से छिपा नहीं कि हिंदी विरोध के नाम पर लोगों की भावनाएं भड़काने का काम अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए किया जाता है। यह और कुछ नहीं, राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को कमजोर करने और लोगों में वैमनस्य पैदा करने वाली क्षुद्र राजनीति है।

त्रिभाषा फार्मूले में केन्द्र सरकार चाहती है कि भारत में प्रत्येक छात्र को तीन भाषाएँ सीखनी चाहिए, जिनमें से दो मूल भारतीय भाषाएँ होनी चाहिए, जिसमें एक क्षेत्रीय भाषा शामिल होनी चाहिए और तीसरी अंग्रेज़ी होनी चाहिए। यह सूत्र सरकारी और निजी दोनों स्कूलों पर लागू होता है और शिक्षा का माध्यम तीनों भाषाओं में से कोई भी हो सकता है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के त्रिभाषा फार्मूले के तहत मराठी और अंग्रेजी के साथ हिंदी को पढ़ाए जाने के महाराष्ट्र सरकार के निर्णय पर विपक्षी दलों की राजनीतिक आक्रामकता का कारण वोट की राजनीति एवं भाजपा के बढ़ते वर्चस्व को विराम लगाने की स्वार्थी मानसिकता है। त्रिभाषा फार्मूले पर सबसे पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे ने आपत्ति उठाई। यह वही राज ठाकरे हैं, जो हिन्दुत्व का झंडा हाथ में लेकर स्व-संस्कृति की वकालत करते रहे हैं। इस पर हैरानी नहीं कि उद्धव ठाकरे भी राज ठाकरे के सुर में सुर मिला रहे हैं। उनकी शिवसेना ने एक समय दक्षिण भारतीयों को मुंबई से भगाने का अभियान छेड़ा था, फिर उसके निशाने पर उत्तर भारतीय आ गए थे। हैरानी इस बात की है कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के

नेता भी त्रिभाषा फार्मूले के तहत हिंदी पढ़ाए जाने का विरोध कर रहे हैं और इसके पीछे साजिश देख रहे हैं। अच्छा होता कि मराठी अस्मिता की रक्षा के बहाने हिंदी को निशाने पर ले रहे ये नेता यह बताते कि तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का विरोध करने के क्या कारण है? केवल मोदी सरकार ने इसे प्रस्तुत किया है, इस कारण इसका विरोध मानसिक दिवालियापन का द्योतक है।

तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का चयन इसलिए सर्वथा उपयुक्त है, क्योंकि एक तो वह आधिकारिक राजभाषा एवं सबसे प्रभावी संपर्क भाषा है और दूसरे, महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में हिंदी बोलने-समझने वाले हैं। ये वे लोग हैं, जो काम-धंधे के सिलसिले में महाराष्ट्र गए और फिर वहीं बस गए। इन्होंने महाराष्ट्र के विकास में योगदान भी दिया है। इसकी अनदेखी करते हुए हिंदी का विरोध करना एक तरह का नस्लवाद ही है, एक तरह की संकीर्ण एवं स्वार्थी मानसिकता है। संचार और सूचना क्रांति तथा तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र आदि गैर हिन्दी भाषी राज्यों की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, पर उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने वालों की तादाद बढ़ी है। चाहे तमिलनाडु का निवासी हो या फिर महाराष्ट्र या फिर गैर हिन्दी भाषी राज्य का, उसके हाथ में यदि फोन है, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन है, तो तय है कि उसकी अंगुलियों के नियंत्रण में हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं, दुनियाभर की भाषाएं हैं, इसलिए हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा का विरोध अब दुनिया के किसी भी कोने में पूरी तरह न तो सफल हो सकता है और न ही कोई दीवार उसे रोक सकती है। फिर हिन्दी तो हिन्दुस्तान की अस्मिता एवं अस्तित्व से जुड़ी भाषा है। दुनिया में जहां कहीं भी लोग अन्यत्र जाकर बसते हैं, वे अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा भी ले जाते हैं। यदि कोई यह चाहता है कि ऐसा न हो तो ऐसा होने वाला नहीं है। महाराष्ट्र के विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं, तमिलनाडू में इसके रोकने के प्रयास हो रहे हैं, वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक अलग नजरिया दिया। उन्होंने हिंदी सहित कई भाषाओं की शिक्षा की वकालत की है। नायडू ने कहा कि भाषा केवल संचार का एक साधन है। आप सभी जानते हैं कि तेलुगु, कन्नड़, तमिल और अन्य भाषाएं विश्व स्तर पर चमक रही हैं। नॉलेज अलग है, भाषा अलग है। हिंदी भी देश में कम्युनिकेशन लैंग्वेज के तौर पर जरूरी है।

हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना या हिन्दी के नाम पर विध्वसंक राजनीति होना अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है, सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है। निश्चित ही सशक्त भारत-विकसित भारत निर्माण एवं प्रभावी शिक्षा के लिए हिन्दी में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। तथ्य यह भी है कि उत्तर भारत के अलावा देश के अन्य राज्यों से जो राजनेता प्रधानमंत्री बने, उन्होंने कभी हिंदी का विरोध नहीं किया। दक्षिण भारत से पहले प्रधानमंत्री बने पी वी नरसिंह राव धाराप्रवाह हिंदी बोलते थे। कर्नाटक के नेता एच.डी. देवेगौड़ा जब पीएम बने तो उन्होंने लालकिले से हिंदी में ही अपना भाषण दिया था। हिन्दी राष्ट्रीयता एवं राष्ट्र का प्रतीक है, उसकी उपेक्षा एक ऐसा प्रदूषण है, एक ऐसा अंधेरा है जिससे छांटने के लिये ईमानदार प्रयत्न करने होंगे। क्योंकि हिन्दी ही भारत को सामाजिक-राजनीतिक-भौगोलिक और भाषायिक दृष्टि से जोड़नेवाली भाषा है। हिंदी को दबाने की नहीं, ऊपर उठाने की आवश्यकता है। भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक राष्ट्र भाषा हिन्दी को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद हिन्दी को उसका उचित स्थान न मिलना विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। विश्व में हिन्दी की प्रतिष्ठा एवं प्रयोग दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, लेकिन देश में उसकी उपेक्षा एवं राजनीतिक विरोध एक बड़ा प्रश्न है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण-स्वार्थी सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान राष्ट्र में हिन्दी को नहीं मिल रहा है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाने लगा क्योंकि भारत और अन्य देशों में 120 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं। पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी हिंदी बोलती व समझती है। बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। फिजी, सुरिनाम, गुयाना, त्रिनिदाद जैसे देश तो हिंदी भाषियों द्वारा ही बसाए गये हैं। हिन्दी का हर दृष्टि से इतना महत्व होते हुए भी भारत में प्रत्येक स्तर पर इसकी इतनी उपेक्षा क्यों?

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आज का इतिहास

- 1654 - यहूदियों को ब्राजील से निकाला गया।
- 1755 - रूस का पहला विश्वविद्यालय राजधानी मॉस्को में खोला गया।
- 1828 - यूनान की आजादी के समर्थन में रूस की तुर्की के खिलाफ युद्ध की घोषणा।
- 1903 - गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में वकालत शुरू की और वहां ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना की।
- 1959 - क्यूबा ने पनामा पर आक्रमण किया।
- 1962 - पहली बार अमेरिकी अंतरिक्ष यान ने चांद की सतह को छुआ।
- 1964 - तंगांयिका और जंजीबार के विलय के बाद तंजानिया संयुक्त गणराज्य की स्थापना हुई और जूलियस न्येरेरे इसके प्रथम राष्ट्रपति बने।
- 1975 - सिक्किम भारत का 22वां राज्य बना।
- 1986 - तत्कालीन सोवियत संघ के यूक्रेन प्रांत के चेरनोबिल में परमाणु हादसा हुआ,जिससे बड़ी मात्रा में रेडियोधर्मी विकिरण हुआ।
- 1999 - नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री तथा नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष मनमोहन अधिकारी का निधन।
- 2004 - ईराक के नये झंडे को मान्यता मिली।
- 2006 - भारत और उज़्बेकिस्तान ने 6 समझौतों पर हस्ताक्षर किए।
- 2007 - जापानी कंपनी सोनी ने भारत में वर्ष 2010 तक 2 अरब डॉलर का व्यापार लक्ष्य रखा।
- 2008 - प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जम्मू-कश्मीर में बना 390 मेगावाट का दुलहस्ती हाइडल पावर प्रोजेक्ट देश को समर्पित किया।

निशाना

आग ना लगाओ !

-कृष्णोन्द्र राय

व्यर्थ की इन बातों को ।
मुद्दा ना बनाओ ।।
और भी हैं मुद्दे ।
उनको राह दिखाओ ।।
शांति और खुशहाली में ।
आग ना लगाओ ।।
क्या सही क्या ग़लत ।
जन जन तक पहुंचाओ ।।
तूल देने से बचो ।
बातें व्यर्थ वालीं ।।
बन रहा है कब से ।
पुलाव बस ख़याली ।।
हवा हवाई से केवल ।
है होता नुकसान ।।
देर हो रही होने में ।
पुन: विराजमान ।।

कलेक्टर ने उपार्जन, कृषि व अन्य विभागीय नवाचारों की समीक्षा की

उर्वरकों के संतुलित उपयोग के बारे में जागरूकता अभियान चलाएं : मीना

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें गेहूं उपार्जन प्रक्रिया, कृषि योजनाएं, मृदा परीक्षण और वैज्ञानिक कृषि नवाचारों की विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने बैठक के दौरान जिले में चल रही उपार्जन प्रक्रिया की समीक्षा की। जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि अब तक लगभग 263000 एमटी गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है जिसके से लगभग 246000 एमटी माल का सफल परिवहन किया जा चुका है जिसके विरुद्ध अनुमानित 535 करोड़ रुपए के भुगतान के लिए ईपीओ तैयार किए जा चुके हैं। कलेक्टर ने जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम को निर्देशित किया कि परिवहन की गति बनाए रखी जाए साथ ही उन्होंने उपायुक्त सहकारिता को भी निर्देश दिए की आवश्यकता पड़ने पर हम्मालों की संख्या बढ़ाई जाए तथा भुगतान के लिए शेष किसानों को भी शीघ्र भुगतान करवाया जाए। उन्होंने जिला उपार्जन समिति के अधिकारियों को निर्देश दिए की उपार्जन केंद्रों पर हो रही गेहूं खरीदी के साथ उपखंड स्तरीय समिति की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए।

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने जिले में कृषि क्षेत्र को सशक्त और उन्नत बनाने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों को किसानों के लिए फसल विविधिकरण, उन्नत तकनीक से निर्मित कृषि यंत्रों का उपयोग, तथा उर्वरकों के संतुलित प्रयोग के विषय में व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि किसानों को नवीन कृषि पद्धतियों से अवगत कराने के लिए किसान खेत पाठशाला का आयोजन व्यापक स्तर पर किया जाए, ताकि वे आधुनिक खेती की ओर अग्रसर हो सकें।

खेत पाठशालाओं के माध्यम से किसानों को नरवाई न जलाने और हानिकारक कीटनाशकों के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों की संपूर्ण जानकारी दी जाए। साथ ही, पर्यावरण और मिट्टी की सेहत को सुरक्षित रखने के उपाय भी बताएं जाएं।

उन्होंने कहा की आत्मा योजना अंतर्गत किसानों को दी जाने वाली सुविधाओं का भी व्यापक प्रचार प्रसार करवाया जाए। जिससे अधिक से अधिक किसान योजनाओं के लाभ से लाभान्वित हो सके।

कलेक्टर ने उपसंचालक कृषि जे आर हेडाऊ को निर्देशित किया कि प्रमुख फसले जिनमे धान मक्का सोयाबीन गेहूं आदि की पिछले 5 वर्षों के आंकड़ों की जानकारी प्रस्तुत करें।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने समितियां द्वारा विभाग द्वारा योजनाओं के माध्यम से कृषकों को उपलब्ध करवाए जाने वाले बीज की जानकारी भी ली। उन्होंने जिले में पिछले वर्ष उपयोग किए गए उर्वरक के आंकड़ों की समीक्षा की।

इसी के साथ कलेक्टर ने मृदा परीक्षण केन्द्र द्वारा की जा रही गतिविधियों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले में समस्त प्रशिक्षण केंद्र सक्रिय रूप से संचालित किए जाएं। इस दौरान उन्होंने जिले की मृदा में पाए जाने वाले पोषक तत्वों की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने फसल प्रदर्शन, कृषि विज्ञान केंद्र तथा एग्रीकल्चर कॉलेज द्वारा संपादित की जा रही गतिविधियों एवं नवाचारों की विस्तार से समीक्षा कर सफल कृषि के लिए किया जा रहे वैज्ञानिक अनुसंधानों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने उपयंत्री कृषि अभियांत्रिकी विभाग को निर्देश दिए कि हैप्पी सीडर एवं सुपरसीडर के प्रति कृषकों को जागरूक किया जाए। कृषकों के बीच पहुंचकर हैप्पी सीडर की समस्त जानकारी के संबंध में लाइव डेमो दिया जाए। कलेक्टर ने एमपी एग्रो द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि बायोगैस प्लांट के लिए कृषकों से व्यापक समन्वय स्थापित कर उन्हें इसके प्रमुख फायदो के बारे में समझाएं तथा शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करें।

मंदिर के आसपास गंदगी का डेरा, भक्तों को परेशानी

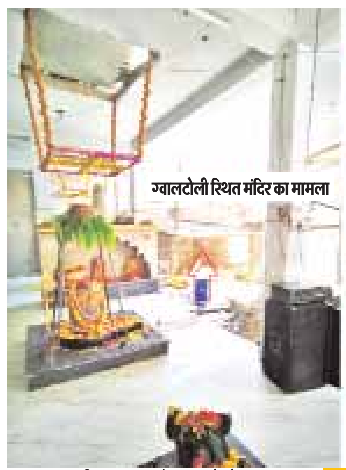

ग्वालटोली स्थित मंदिर का मामला

गंदगी की वजह

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

ग्वालटोली स्थित फूल बगिया वार्ड नंबर 31 के पास स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास एक व्यक्ति द्वारा सुअरों को पाला जा रहा है. जिस जमीन पर जानवरों को पाला जा रहा है वह जमीन भी मंदिर परिसर के अंतर्गत आती है. सुअरों की गंदगी से मंदिर में आने जाने वाले भक्तों को काफी परेशानी हो रही है.

इस अव्यवस्था को लेकर अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी सुदर्शन आचार्य द्वारा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर इस धार्मिक स्थल के आसपास से सुअरों का डेरा हटाने की मांग की गई है. वार्ड वासियों ने भी इस मामले को लेकर कलेक्टर तथा नगर पालिका अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा है.

कलेक्टर को प्रेषित ज्ञापन में उल्लेख किया है कि फूल बगिया वार्ड क्रमांक 31 ग्वालटोली स्थित

अखिल भारतीय संत समिति और नागरिकों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास मंदिर की भूमि पर नगर पालिका के एक कर्मचारी द्वारा सूअर पाले जा रहे हैं. इन सुरों से मंदिर में आने जाने वाले श्रद्धालुओं को गंदगी और बदबू का सामना करना पड़ता है. पूजा पाठ के दौरान सूअरों के चीखने से असुविधा होती है. नागरिकों का कहना है कि नगरी क्षेत्र में सुअरों को पालने पर प्रतिबंध है. इसके बावजूद भी नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा सारे नियम कानून को दरकिनार करते हुए ये कार्य किया जा रहा है.

नागरिकों ने इस कार्य को तत्काल बंद कराने की मांग करते हुए पंचमुखी हनुमान मंदिर क्षेत्र में स्वच्छता का वातावरण निर्मित करने की मांग की है.

औषधीय पौधों की खेती के लिए किसानों को दिया गया एक दिवसीय प्रशिक्षण

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

शासकीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) द्वारा देवारण्य योजना के तहत औषधीय पौधों से सम्बंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राजीव गाँधी जन चिकित्सालय में किया गया। इस कार्यक्रम के खण्ड नोडल अधिकारी डॉ संजीव कुमार द्वारिया एवं डॉ.भाव्या पयासी के द्वारा भगवान धन्वंतरि जी की पूजा अर्चना कर किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि विशेषज्ञ डॉ. विनोद कुमार गर्ग ने इस कार्यक्रम में बासौदा के आसपास के क्षेत्रो से आये लगभग किसानों के लिए अश्वगंधा की खेती के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इसी के साथ नौघई के एक किसान राजेंद्र सिंह रघुवंशी ने बताया कि वह पिछले दो वर्षों से

अश्वगंधा की खेती कर रहे हैं एवं अच्छा लाभ ले रहे है,उन्होंने अन्य किसानों के लिए भी यह खेती करने के लिए प्रेरित किया। उपस्थित अन्य किसानों ने भी औषधीय खेती के प्रति अपनी जागरूकता व्यक्त की एवं विभाग को इस प्रकार की सम्पूर्ण जानकारी प्रदाय कराने हेतु धन्यबाद दिया इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में औषधालयीन कर्मचारी अनिल कुशवाहा, राजीव कुमार श्रीवास्तव ने पूर्ण सहयोग किया।

अवैध उत्खनन/परिवहन/भण्डारण के विरूद्ध संयुक्त कार्यवाही

5 डंपर, 1 पोकलेन एवं 1 ट्रेक्टर-ट्राली जप्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना से प्राप्त निर्देश के पालन में अवैध उत्खनन / परिवहन/भण्डारण के विरूद्ध खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सम्पूर्ण जिले में कार्यवाही जारी है।

खनिज विभाग द्वारा 09 अप्रैल 2025 को ग्राम-जासलपुर, तह0-नर्मदापुरम से 02 डम्पर क्रमांक-RJ09GE1021, डम्पर क्रमांक-MP05G7024, को रेत खनिज के ओव्हरलोड अवैध परिवहन में लिप्त पाये जाने पर जप्त कर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय नर्मदापुरम की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया एवं 12 अप्रैल 2025 को ग्राम-रामगढ़ (लुचगाँव) तह0-सिवनीमालवा से 01 डम्पर क्रमांक-MP47G6645, को रेत

खनिज के ओव्हरलोड अवैध परिवहन में लिप्त पाये जाने पर जप्त कर पुलिस थाना शिवपुर की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया। 17 अप्रैल 2025 को ग्राम-बाबरी, तहसील-सिवनीमालवा से 01 पोकलेन मशीन को रेत खनिज के अवैध उत्खनन में लिप्त पाये जाने पर जप्त कर पुलिस थाना सिवनीमालवा की अभिरक्षा में एवं ग्राम-नवलगाँव, तह0-सिवनीमालवा से 01 जॉनडियर ट्रेक्टर ट्राली को रेत खनिज के अवैध परिवहन में लिप्त पाये जाने पर जप्त कर पुलिस थाना शिवपुर की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है एवं 24 अप्रैल 2025 को सिवनीमालवा से 02 डम्पर क्रमांक-MP47H0466, डम्पर क्रमांक-MP09DA1306, को रेत खनिज के ओव्हरलोड अवैध परिवहन में लिप्त पाये जाने पर जप्त कर पुलिस थाना सिवनीमालवा की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया।

उक्त कार्यवाहियों में दिवेश मरकाम जिला खनिज अधिकारी, श्रीमती पिंकी चौहान खनि निरीक्षक, कृष्णकांत सिंह परस्ते प्र0 खनि निरीक्षक, हेमन्त राज खनिज सिपाही एवं होमगार्ड बल उपस्थित रहा। उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा की गई चाट-चौपाटी की जांच

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जनमानस के स्वास्थ्य के दृष्टिगत रखते हुए शासन एवं जिला प्रशासन के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा सतत कार्यवाही जारी है।

इसके तारतम्य में 25 अप्रैल 2025 को खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश एस दियावार एवं जितेन्द्र सिंह राणा द्वारा सिवनी मालवा स्थित चाट चौपाटी की जांच की गई। संदेह होने पर समोसे कचोरी के तीन नमूने जांच हेतु लिए गए जिसे राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा सभी स्ट्रीट खाद्य व्यवसायी को खाद्य पदार्थ को ढक कर रखना, खाद्य पदार्थों को रखने के लिए न्यूज़पेपर का प्रयोग न करने और केप और एप्रन पहनकर खाद्य पदार्थों का निर्माण करने, वैधता तिथि संबंधी दिशा निर्देश प्रदान किए गए द्य सभी परिसरों को साफ सफाई के निर्देश दिए गए। अजीनोमोटो एवं खाद्य रंग का प्रयोग कम करना है इसके अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा से संबंधित अन्य समझाइश दी गई कि ग्राहक को साफ एवं शुद्ध खाद्य पदार्थों को परोसा जाए जिससे किसी प्रकार की बीमारी या फूड विषाक्तता ना हो। उक्त करवाई सतत जारी रहेगी।

जलसेवा हुई शुरु : राहगीरों को मिलेगा अब ठंडा पानी

गंजबासौदा। भीषण गर्मी में राहगीरों को पीने के लिए ठंडे पानी के लिए माहेश्वरी परिवार द्वारा एक शीतल जल मशीन का लोकार्पण किया गया। जिससे राहगीरों और नागरिकों को इस भीषण गर्मी में पीने के पानी के लिए इधर उधर न भटकना पड़े। इसलिए ठंडे पानी की जलसेवा शुरू की है। वरिष्ठ समाजसेवी राजेश माहेश्वरी ने बताया कि यह जल सेवा हमारी पूज्य माता जी एवं भाई की चतुर्थ पुण्यतिथि पर शुरू की गई है यह सेवा माँ की करुणामयी और सेवा भावना से प्रेरित है। हम यही कामना करते हैं कि यह जल सेवा उनके पुण्य स्मरण का माध्यम बने और जनसेवा का यह कार्य सतत चलता रहे। जलसेवा के शुभारंभ पर माहेश्वरी परिवार सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारों के साथ मुस्लिम समाज ने जलाया आतंकवाद का पुतला

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शुक्रवार को शहर क़ाज़ी अशफ़ाक़ अली की सरपरस्ती में मुस्लिम समाज ने पहलगाम में दिल दहला देने वाली घटना को लेकर आतंकवाद का पुतला फूंका. समाज के युवाओं ने पाकिस्तान और दहशतगर्द मुर्दाबाद के नारे के साथ इस निंदनीय घटना के प्रति अपना विरोध दर्ज कराया. पुतला दहन के बाद सभी ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को खिराजे अक़ीदत पेश की.तत्पश्चात सामूहिक दुआ के लिए सभी के हाथ उठे और जो बेगुनाह और मासूम नागरिक इस कायराना हमले में शहीद हो गये उनके लिए दुआ की गई. अल्लाह उनके घर वालो को सब्र और हिम्मत दे एवं जो लोग ज़ख्मी है उनकी सलामती और शिफायाबी के लिए

दुआ की गई.

इस अवसर पर शहर क़ाज़ी अशफ़ाक़ अली , जब्बार खान, फैज़ान उल हक़ , आमीन राइन, गुलाम हैदर, गुलाम मुस्तफ़ा, जुनैद ताजी ,अज़हर खान, जाकिर खान, शेख इमरान, रिज़वान क़ुरैशी , रानू खान , हाशिम खान , सब्बू अंसारी, आसिफ राइन , क़ादर पठान, राजू पठान, रेहमान खान, फ़ज़्ल खान , क़ुर्बान बेग , तोहीद सिद्दीकी समेत समाज के युवा उपस्थित रहे.

मेट्रो एंकर कश्मीर में हुई दु:खद घटना के लिए कार्यक्रम में सभी ने दो मिनिट का मौन रखकर दी श्रद्धांजलि

पंचायती राज दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम संपन्न, स्वच्छता की ली शपथ

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत नर्मदापुरम के सभागृह में गत दिवस जिला स्तरीय पंचायती राज दिवस कार्यक्रम सीईओ जिला पंचायत सोजान सिंह रावत के नेतृत्व में संपन्न हुआ। ज्ञात हो कि 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है क्योंकि 24 अप्रैल 1993 को संविधान के 73 वें संशोधन अधिनियम, 1992 को लागू किया गया था इस संशोधन के माध्यम से पंचायती राज को संवैधानिक मान्यता दी गई थी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को बढ़ावा दिया गया था।

इसी तारतम्य में पूरे जिले में ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। जिसमें पंचायती राज दिवस मनाया गया एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। प्रधान मंत्री जी के कार्यक्रम का भी सीधा प्रसारण सभी जगह दिखाया गया। देश का मुख्य समारोह बिहार के मधुबनी जिले में झंझारपुर

ब्लॉक के लोहना उत्तर ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर देश भर के पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) और ग्राम सभाओं को संबोधित किया और विशेष श्रेणी के राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 भी प्रदान किये।

नर्मदापुरम के जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष राधा पटैल, सीईओ जिला पंचायत सोजान सिंह रावत, जनपद अध्यक्ष भूपेन्द्र चौकसे, जनपद सीईओ हेमंत सूत्रकार जिला पंचायत सदस्य रमेश पटैल, उमेश यादव पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुधीर पटैल, जनपद सदस्य मनोज चौधरी, सुखिया बाई जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी योगेन्द्र राय, जिला पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर ब्लाक समन्वयक रामकुमार गौर सहित जन प्रतिनिधि एवं अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

कार्यक्रम में जिले में अच्छा कार्य करने वाली पंचायतों के सरपंचों को भी सम्मानित किया। जिसमें नर्मदापुरम विकास खण्ड की जासलपुर की सरपंच नीलू मेहरा, सोहागपुर के सेमरी हरचंद के सरपंच चैतन्य मीना, केसला की कोहदा पंचायत के सरपंच शिवराम , माखननगर की बीकोरी पंचायत के सरपंच रामजीवन साध, पिपरिया की ग्राम पंचायत सुरेलाकला के सरपंच प्रशांत ठाकुर को सम्मानित किया। साथ ही स्वच्छता की सपथ ली गई एवं कश्मीर में हुई दु:खद घटना के लिए कार्यक्रम में सभी ने दो मिनिट का मौन रखकर दी श्रद्धाजंलि।

कलेक्टर के आदेशानुसार टीआई ने शराब दुकान के बाहर बैठ कर पीने वालों पर की कार्रवाई

शराब विक्रेता को दी हिदायत-यदि यहां बैठाकर शराब पिलाई तो होगी कार्रवाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शहर में शराब बेलगाम कारोबार पर अंकुश लगाने की मुहिम शुरू की गई है। शुक्रवार को थाना प्रभारी पंकज गते बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को लेकर शराब दुकान पहुंचे और यहां बैठकर शराब पीने वालों पर जमकर लाठी डंडे मार कर इनको भगाने का काम किया और आसपास बैठे दुकानों से भी इनको भगाया साथ ही उन्होंने शराब विक्रेता कर्मचारी आसपास के दुकानदारों को जहां पर शराब से संबंधित सामग्री मिलती है इनको भी सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी को भी बैठकर शराब पिलाई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी इसके बाद शराबियों में भगदड़ मच गई और भागते हुए नजर आए इस तरह का एक्शन पुलिस का लगातार रहेगा तो शराब दुकान के बाहर इस तरह की भीड़ शराबियों की जमा नहीं इनके कारण आए दिन विवाद होते हैं और सड़क पर भी इनका हंगामा देखने को मिलता है सुबह से लेकर देर रात तक शराबी शराब दुकान के बाहर बैठकर पैक बना कर शराब पीने का कार्य करते हैं। दोपहर मेट्रो की खबर के बाद पुलिस कार्रवाई करने पहुंची एक दिन पहले एसडीएम हर्षल चौधरी ने भी आबकारी विभाग के व अधिकारियों को शराब दुकान के बाहर बैठकर शराब पीने वालों पर कार्रवाई के लिए निर्देश दिए थे। और कहा था कि कलेक्टर आदेश पालन कढ़ाई से होना चाहिए।

दोपहर मेट्रो ने मंगलवार के अंक में शहर में खुलेआम शराब दुकानों के आगे बैठकर शराब पिलाने के कार्य का समाचार दिया था। जबकि कलेक्टर अंशुल गुप्ता के द्वारा टीएल बैठक में सभी एसडीएम तथा आबकारी विभाग के आला अधिकारी को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी भी शराब दुकान के बाहर और आसपास शराब पिलाने का कार्य नहीं होना चाहिए यदि कोई करता है तो उनके खिलाफ करवाई की जाए दूसरी ओर कलेक्टर के निर्देशों की शराब दुकान संचालक से लेकर जिम्मेदार अधिकारीयों भी कलेक्टर के निर्देशों की परवाह नहीं है या फिर जानबूझकर अनजान बनकर उनके निर्देशों की अनदेखी की जा रही है इसी का परिणाम है कि मुख्य मार्ग पर स्थित मंडी बाईपास रोड पर हाजीपुर के नाम से संचालित होने वाली शराब दुकान के बाहर खुलेआम शराब पीने काम हो रहा है इनको रोकने टोकने ने वाले भी नजर नहीं आते हैं। नहीं शराब दुकान खोलने से पहले बंदूक के साथ दस्तक दी थी वहीं अब कलेक्टर के आदेशों को दरकिनार किया जा रहा है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने जनहित में बहुत ही सराहनीय कार्य किया था क्योंकि शराबी दुकानों के बाहर बैठकर शराब पीते हैं फिर गाली गलौज और मारपीट भी करते है सड़क पर पड़े रहते हैं बहन बेटी को देखकर इशारे बाजी भी करते हैं कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी है पत्थर भी कुछ शराबी फेखते है। कई दिन बीत जाने के बाद भी कलेक्टर के आदेश धरातल पर दिखाई नहीं दे रहे हैं। आबकारी विभाग और पुलिस प्रशासन के द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई के लिए कदम उठाया जाता है तो एक शराबी दुकान के बाहर बैठ कर शराब का सेवन करते हुए दिखाई नहीं देगा साथ ही शराब विक्रेता और इनके कर्मचारी ठान लें तो भी कोई यहां पर बैठा हुआ नहीं दिखेगा ना ही पैक बनाएगा लेकिन इनको कलेक्टर के आदेश की कोई परवाह नहीं बेस अपना फायदा करने में लगे लगे हुए हैं तभी तो 12 बजे तक दुकान कई बार खुली रहती है जबकि 11 बजे तक का समय है कार्रवाई करने के लिए जिम्मेदार आते नहीं है इन सबको अपने मतलब से मतलब रहता है इसके आगे शासन के आदेश और कलेक्टर का इन्हें परवाह नहीं है।

खबर का असर

वही देखना है की कलेक्टर आदेश को हवा में उड़ाने वालों पर जिम्मेदार करवाई करने की हिम्मत कर पाएंगे या नहीं। जिनके कंधों पर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी है उनके द्वारा भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। खाना पूर्ति करने के लिए जरूर कुछ पुलिसकर्मी पहुंच जाते हैं। जिम्मेदारियां के ढीले रवैया का फायदा उठाकर शराब दुकान के बाहर बैठकर जाम लगा रहे हैं इनको यहां से हटाने के लिए कई नहीं पहुंच रहा है। कई शराबी शराबी पीकर दुकान के आगे हंगामा कर रहे हैं इसके कारण वाहन चालकों को भी परेशानी हो रही है फिर भी शराब ठेकेदार एवं कर्मचारियों के कनों में जु नहीं रेंग रही है उसके द्वारा रोकने टोकने कने का कार्य नहीं किया जा रह या फिर जानबूझकर और अपने फायदे के लिए इनको यहीं पर बिठाकर शराब पीने की खुली छूट दे दी तभी तो यहां पर सुबह से लेकर रात तक इनकी भीड़ लगी रहती है वैसे शराब दुकान को बंद करने का समय 11 पर 12 के बाद भी दुकान यहां खुली रहती है ऐसी स्थिति कई बार निर्मित हो चुकी है इसकी जानकारी विभागों अधिकारियों को होने के बाद भी शराब ठेकेदार पर किसी भी तरह की कोई करवाई करने के लिए नहीं आते हैं या फिर कहीं की शराब ठेकेदार के आगे सब बेबस हो गए हैं।

कलेक्टर निर्देशों को भी हल्के में लिया जा रहा है जहां पूरे जिले में प्रशासन के द्वारा शराब दुकान के आगे शराब पीने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है जारही है इसके अलावा सभी शराब ठेकेदार एवं स्टाफ को भी इसमें संबंध में हिदायत दी गई है किसी भी दुकान के बाहर बैठकर शराब न पीने दी जाए हाजीपुर रोड की शराब दुकान पर खुलेआम शराबी शराबी कर जाम झलकते हुए नजर आ रहे हैं।

अवैध खनन कारोबार जोरों पर

बगैर अनुमति निजी जमीन से कोपरा उठाकर ठेकेदार ने सड़क निर्माण में डाला

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

खनिज विभाग की मिली भगत से अवैध रूप से उत्पन्न करने वालों की बल्ले बल्ले हो रही है सरकार को राजस्व की क्षति पहुंचाने का काम भी इन लोगों के द्वारा किया जा रहा है। इसके बाद भी जिम्मेदार के अधिकारी भी कार्रवाई करने के लिए नहीं आते हैं स्थानीय अधिकारियों के द्वारा भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है इसका फायदा उत्खनन कर्ताओं के द्वारा उठाए जा रहा है। अवैध रूप से उत्खनन करने वालों के द्वारा सरकारी और नई जमीन को छलनी करने का काम खुलेआम किया जा रहा है। उत्खनन माफियाओं के द्वारा इस काम दिन-रात अंजाम दिया जा रहा है इनके डंपर ट्रैक्टर ट्रालियां दौड़ रहे हैं इनको रोकने रोकने का काम भी नहीं हो रहा है या फिर कहीं सब की मिली भगत से ही इस काम को उत्खनन करता अंजाम दे रहे हैं। दूसरी सड़क बनाने वाले ठेकेदारों ने भी बगैर अनुमति के निजी जमीन तथा सरकारी भूमि में से कोपरा आदि निकाल का उत्खनन के खेल को अंजाम दिया जा रहा है।

बिना अनुमति के निकला कोपरा एसडीएम से शिकायत

शुक्रवार को परसौरा निवासी शैलेंद्र ने आवेदन एसडीएम हर्षल चौधरी को दिया गया। जिसमें निजी भूमि सर्वे क्रमांक 125 रकवा 2.339 हेक्टर में डबरी बनी हुई हैं, उक्त डबरी में से ठेकदार सर्जन सिंह ओर सरपंच खिलचीपुर के द्वारा बिना शासकीय अनुमति एवं किसान की जानकारी के खेत ओर डबरी में से सैकड़ों ट्राली मिट्टी, कोपरा उठाकर ले गया। जिससे किसान शैलेंद्र की भूमि में गढ़ी पाइप लाइन एवं एयर बॉल को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। किसान ने कहा कि जब में खेत पर पहुंचा और स्थिति देखी तो मैं दग रह गया जिसको लेकर मैंने जब ठेकेदार से बात की तो उसने कहा कि मेरा काम है मैंने उक्त मिट्टी और कोपरा उठाया है। तुम्हें जो दिखे सो कर लेना मेरी सड़क का कार्य पूर्ण हो चुका है। वही किसान ने उक्त ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। एसडीएम में जांच कराकर कार्रवाई करने की बात कही है

अबूझ मुहूर्त:अक्षय तृतीया पर होंगे मांगलिक कार्य विवाह, गृह प्रवेश, वाहन-संपत्ति खरीदी

तेंदूखेड़ा , दोपहर मेट्रो

हिन्दू धर्म में शुभ कार्यों के लिए मुहुर्त अवश्य देखा जाता है। कोई भी शुभ कार्य करना हो शुभ मुहुर्त पर ही किया जाता है।विवाह, गृह प्रवेश, भूमिपूजन, संपत्ति में निवेश, व्यापार की शुरुआत ये सभी कार्य पंडित से पूछकर शुभ मुहुर्त देखकर किए जाते हैं, लेकिन वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया ऐसी तिथि है जिस तिथि पर सभी शुभ कार्य बिना मुहुर्त देखी किए जा सकते हैं। सनातन हिंदू धर्म में मुहूर्त का बड़ा महत्व सनातन हिंदू धर्म में शुभ कार्यों के लिए मुहूर्त का विशेष महत्व होता है, लेकिन वर्ष में एक ऐसा दिन आता है जब किसी

भी शुभ कार्य के लिए मुहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं होती। यह दिन होता है अक्षय तृतीया, जिसे अबूझ मुहूर्त के रूप में जाना जाता है। इस वर्ष यह विशेष तिथि 30 अप्रैल को है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार इस दिन कई शुभ संयोग भी बन रहे हैं। अक्षय तृतीया को वैदिक काल से ही अत्यंत पवित्र और फलदायक तिथि माना गया है। यह दिन वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को होती है। मान्यता है कि इस दिन किया गया कोई भी शुभ कार्य अक्षय फल देता है। पानी उसका फल कभी समाप्त नहीं होता। यहीं कारण है कि इस दिन बिना मुहूर्त देखे ही विवाह, गृह प्रवेश वाहन खरीद, भूमि पूजन, संपत्ति निवेश, व्यापार की शुरुआत जैसे कार्य किए जाते हैं। सनातन में शुभ कार्यों के लिए श्रेष्ठ दिन इस वर्ष अक्षय तृतीया के दिन कई ऐसे योग बन रहे हैं, जो इसे और भी खास बना देते हैं।

गर्मी की तपन से जनजीवन हुआ प्रभावित

तेंदूखेड़ा , दोपहर मेट्रो

नगर सहित क्षेत्र में तेज गर्मी का दौर जारी है। सुबह से ही धूप अपना प्रभाव दिखाने लगी है। दोपहर बारह बजे तक आसमान से आग बरसने जैसे हालात बन रहे। पिछले एक सप्ताह से नगर सहित क्षेत्र भर में इसी तरह गर्मी और तीखी धूप अपना असर दिखा रही। शुक्रवार को सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक गर्मी ने तीखे तेवर दिखाए। गर्मी के चलते सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक नगर की गलियों में सन्नाटा पसरा रहा जिसके चलते लोग अपने अपने घरों में रहे शाम 5 बजे के बाद मौसम में राहत मिलने के बाद लोगों ने अपना काम-धाम किया हालांकि

नगर में कुछ स्थान पर हो रही जल सप्लाई के कारण लोग दोपहर में भी पानी भरते देखे गए वहीं रात के तापमान में ज्यादा अंतर नहीं आएगा। गर्म हवा से लू का अहसास गर्म हवाएं चलने से लोगों का लू का अहसास होने लगा। दोपहिया वाहन चालक आंखों पर चश्मा पहन कर, मुंह पर रूमाल और स्कार्फ बांध कर वाहन चलाते नजर आए। वहीं गर्मी से बचाव के लिए शीतल पेय और आईसक्रीम, गन्ना, लस्सी की बिक्री में इजाफ फा हो रहा है। गर्मी से निजात पाने के लिए लोगों की भीड़ पेय दुकानों पर लगी है। बिजली की आंख मिचौली नगर एवं क्षेत्र में दोपहर एवं रात के समय बार-बार बिजली गुल होना गर्मी में मुसीबत बनता जा रहा। लाइट कटौती होने पर लोग गर्मी से बेहाल हो जाते और घर से बाहर निकलने पर भी धूप का अहसास हो रहा। स्थिति यह है कि गर्मी में जहां तापमान बढ़ रहा है। वहीं बिजली की कटौती भी बढ़ गई है। इससे लोग खासे परेशान हैं।

पत्रकार महासंघ ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आंतकवादी हमले को लेकर दिया ज्ञापन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शुक्रवार को तहसील परिसर में पाकिस्तान मुर्दाबाद की नारेबाजी करते हुए पत्रकार महासंघ ने अनुविभागीय अधिकारी हर्षल चौधरी को ज्ञापन सौंपा जिसमें 22 अप्रेल 2025 को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आंतकवादियों द्वारा बर्बरता पूर्वक देशभर के कोने कोने से गये पर्यटकों की नृशंस हत्या कर दी गयी जिसकी पत्रकार महासंघ सिरोंज घटना की कडे शब्दों में घोर निंदा करता है और आपसे पत्रकार महासंघ सिरोंज मांग करता है कि इस कायरता

पूर्वक घटना के विरूद्ध आंतकवाद आतंकवादियों को संरक्षण देने वाले पाकिस्तान को इसबार करारा जबाव दिए जाने इस दौरान सिरोंज पत्रकार महासंघ के अध्यक्ष रोहिताश्व शर्मा ने भारत सरकार से अपील करते हुए कहा कि घटित घटना की हम घोर निंदा करते है और हमला करने वाले आतंकवादियों ओर उनको संरक्षण देने वाले पाकिस्तान को कड़ी सजा दी जाए। इस दौरान नीरज शर्मा , अनिल यादव , संतोष जैन , अजमल खान , सलमान खान , आदेश बड़सरे , रवि विश्वकर्मा , रिंकू सुमन ,प्रदीप प्रजापति , रवि रघुवंशी, देवेंद्र पटेल, मोहन रघुवंशी, चंद्रेश सैनी, आदि बड़ी संख्या पत्रकार बंधु मौजूद रहें।

गरेठ उप स्वास्थ्य केंद्र में डिलीवरी के दौरान महिला व एक नवजात की मौत

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शासकीय उप स्वास्थ्य केंद्र गरेठ में डिलीवरी के लिए पूजा अहिरवार उम्र 24 साल निवासी अहमदाबाद खिल्ली को डिलीवरी के लिए परिजन लेकर आए थे। महिला की प्रसाव के दौरान इनकी और एक दिन के नवजात मृत्यु हो गई। इसके बाद महिला को शासकीय राजीव गांधी जन चिकित्सालय में पीएम के लिए लाया गया।

सिरोंज थाने में जीरो पर मामला कायम किया गया। पुलिस ने बताया कि डिलीवरी के दौरान बच्चा फस गया था इस वजह से दोनों की मृत्यु हो गई। मामला दीपना खड़ा थाने का

है वहीं भेज रहा है। अस्पताल के बाहर परिजनों की भीड़ लगी ही थी जांच के बाद ही कारणों सही खुलासा होगा।

मेट्रो एंकर जनपद मार्ग दुर्दशा का शिकार उपयंत्री बोले आज से शुरू हो जाएगा मुख्य मार्ग से शिक्षक कॉलोनी तक मार्ग का काम

2 साल से सड़क पर उड़ रही धूल, मिट्टी से लोगों को सांस लेने में दिक्कतें

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री ग्रामीण योजना के तहत नगर से 12 किलोमीटर दूर इमलीडोल गांव तक डामर सड़क का निर्माण लगभग 18 वर्ष पहले किया गया था। जिसमें नगर की डेढ किलोमीटर की सड़क भी शामिल थी इस डेढ किलोमीटर की सड़क से लोग काफी हैरान परेशान है पहले नगर परिषद का कहना था कि प्रधानमंत्री सड़क है प्रधानमंत्री सड़क वालों का कहना था कि नगर परिषद की सड़क है इसी विवाद में सड़क की देखरेख नहीं हो पाई , अब नगर परिषद कहती है इतना बजट नहीं आता की सड़क बन सके जिसके कारण वर्तमान समय में उक्त सड़क की हालत खस्ताहाल हो चुकी है। सड़क का डामर उखड़ कर बिखर गया है। जगह-जगह गड्ढे हो गए इतना ही नहीं यह नगर का सबसे व्यस्त मार्ग है जहां पर वाहनों की आवाजाही रहती है 2 वर्ष से मार्ग में धूल ही धूल उड़ रही है जिसके कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत है होने लगी है पर इस और किसी का ध्यान नहीं है नगर में स्थित संपूर्ण शासकीय कार्यालय भी इसी मार्ग पर-- नगर के मुख्य मार्ग से जाने वाले खकरिया मार्ग जो नगर का सबसे प्रमुख एवं व्यस्ततम मार्ग माना जाता है इस मार्ग की दुर्दशा देखते ही बन रही है एक तो इस समय भीषण गर्मी ऊपर से वाहनो की आवाजाही से इस सड़क मार्ग में उड़ रही धूल से यहां के वाशिंदे एवं राहगीर काफी हैरान परेशान है यह प्रमुख मार्ग

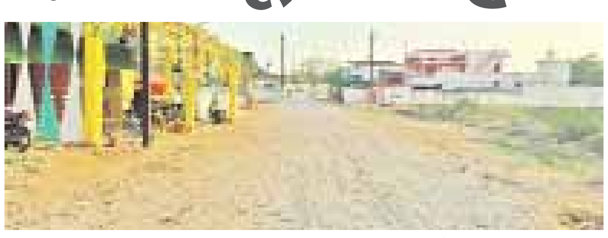

जो लगभग दो वर्षों से दुर्दशा का शिकार है इस मार्ग में भारी भरकम गड्ढे , पक्की रास्ता कच्ची रास्ता में तब्दील हो चुकी है मार्ग में केवल धूल ही धूल उड़ रही है धूल से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ा रहा है लेकिन शासन प्रशासन के लोग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं 4 मई को मुख्यमंत्री कन्या विवाह भी कृषि उपज मंडी में होना है और इसी मार्ग से होकर मंत्री प्रशासनिक अधिकारी मंडी पहुंचेंगे इसके पूर्व में भी हुए मुख्यमंत्री कन्या विवाह में यही हालत थे आनंद फानन में मार्ग में गिट्टी डालकर कुछ जगह को सुधर गया था आज जसकातस हो गया है कई बार रेवासियों द्वारा आवेदन देने के बाद भी कोई कर नहीं हो सका है जबकि उड़ रही धूल से लोगों को सांस लेने में भी दिक्कतें आ रही हैं उसके बावजूद इस मार्ग की दुर्दशा सुधार नहीं होने से मार्ग के आजू-बाजू रहने वाली लोग वह में काफी आक्रोश है 2 साल से इस मार्ग की दुर्दशा को सुधारने में किसी ने कोई अहम भूमिका नहीं निभाई है तभी तो यह मार्ग विशेष मार्ग होने के बावजूद घर का सबसे खराब मार्ग बन चुका है इस मार्ग में धूल उड़ रही है यह मार्ग तीन वार्ड 8,9,10 से होकर गुजरता है इस मार्ग की दुर्दशा के शिकार वार्ड के वाशिंदे धूल मिट्टी से हैरान परेशान है लगभग 2 वर्ष से रोड उखड़ कर धूल मिट्टी में तब्दील हो गई है जिसके कारण लोगों का जीना दुभर हो गया है नगर परिषद इस मार्ग को बनाने में बजट न होने की बात कर समस्या का समाधान नहीं कर पा रही है लोगों में नाराजगी आक्रोश- लोगों में नगर परिषद के प्रति आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है इसी मामले को लेकर कई बार जनसुनवाई में ,नगर परिषद में ,अधिकारियों को आवेदन दिए लेकिन समस्या का कोई हल नहीं हो सका मार्ग में रहने वाले अमित साहू,राहुल ठाकुर ,संदीप परस्ते, मुन्ना विश्वकर्मा, जगदीश साहू, प्रेमलाल वाल्मीक, राधा ताल्मीक ,हर्ष वाल्मीक ,दसई वाल्मीक, प्रकाश, दीपक रैकवार ,शैलेन्द्र सोनी, नरेन्द्र साहू,अशोक शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा,सुरेन्द्र सिंह,मनोज कुमार गौर, ,मनीष पाटकार,मूलचन्द्र विश्वकर्मा, शंकर लाल झारिया, ब्रजेश साहू,यशवंत सिंह, कुंजबिहारी ठाकुर, उमाशंकर मेमार, शिव कुमार अहिरवार,सलीम बेग, बब्लू रैकवार, अजुद्धी प्रसाद प्रजापति, चंदशेखर साहू, अशोक बेन, रजीत साहू का कहना है कि बस स्टैंड से जनपद कार्यालय तक पूरा रोड खराब है जिसमें भारी वाहनों के चलने से अधिक मात्रा में धूल उड़ती है और वायु प्रदूषण होता है जिससे सांस लेने में कठिनाई होती हैं और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड रहा है इस संबंध में नगर परिषद से कई बार चर्चा हुई, लेकिन समाधान नहीं निकला है यदि समस्या का समाधान नहीं होता तो कठोर कदम उठाने के लिए हमें मजबूर होना पड़ेगा

नगर परिषद के उपयंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि कल से काम शुरू हो रहा है जबलपुर दमोह मार्ग से शिक्षक कॉलोनी तक मार्ग बनाया जाएगा इस संबंध में ठेकेदार से चर्चा चल रही है कल से काम शुरू हो जाएगा।

शमी को मैच की पहली बॉल पर विकेट

धोनी 400वां टी-20 मैच खेलने वाले चौथे भारतीय

कामिंडू ने 11.09 मीटर दौड़कर कैच लपका

चेन्नई, एजेंसी

आईपीएल-18 के 43वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स को उनके घरेलू मैदान चेपॉक में 5 विकेट से हरा दिया। स्न्ना से हर्षल पटेल ने 4 विकेट लिए। यह हैदराबाद की 9 मैचों में तीसरी जीत रही, जबकि चेन्नई को नौ में से सातवीं हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में एमएस धोनी ने एक उपलब्धि हासिल की। धोनी 400 टी-20 खेलने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इसके अलावा मैच में कई रोचक लम्हे देखने को मिले।

फैक्ट्स

चेन्नई के कप्तान एम एस धोनी ने कल अपना 400वां टी-20 मैच खेला। वे भारत के लिए ऐसा करने वाले चौथे प्लेयर बने। धोनी से पहले रोहित शर्मा, विराट कोहली और दिनेश कार्तिक 400 टी-20 मैच खेल चुके हैं। मोहम्मद शमी आईपीएल में किसी मैच की पहली बॉल पर सबसे ज्यादा बार विकेट लेने वाले बॉलर बने। उन्होंने चौथी बार यह कारनामा किया। शमी ने शेख रशीद को शून्य के स्कोर पर पवेलियन भेजा।

शमी ने मैच की पहली बॉल पर विकेट लिया

मोहम्मद शमी ने मैच की पहली ही बॉल पर शेख रशीद को पवेलियन भेजा दिया। शमी ने जो ऑफ स्टंप से बाहर स्विंग होती हुई बॉल फेंकी। यहां रशीद ने शॉट खेला लेकिन बैट का बाहरी किनारा लगा और बॉल स्लिप पर खड़े अभिषेक शर्मा के हाथों में चली गई, जिन्होंने एक आसान कैच लिया।

हर्षल से जडेजा का कैच छूटा

सातवें ओवर की आखिरी बॉल पर हर्षल पटेल ने रवींद्र जडेजा को जीवनदान दिया। जीशान अंसारी ने सामने की तरफ बॉल फेंकी। यहां जडेजा ने हवाई शॉट खेला। बॉल लॉन्ग ऑफ पर खड़े हर्षल पटेल के पास गई और उन्होंने आसान-सा मौका गंवा दिया। जडेजा इस समय 8 रन पर थे।

ब्रेविस ने नो लुक सिक्स लगाया

12वें ओवर की पहली बॉल पर डेवाल्ड ब्रेविस ने नो लुक सिक्स लगा दिया। कामिंडू मेंडिस ने सामने की तरफ फुल लेंथ बॉल फेंकी। ब्रेविस ने खुद को लेग साइड की तरफ जगह बनाकर बल्ला घुमाया और गेंद को लॉन्ग-ऑन के ऊपर दूर भेज दिया।

कामिंडू ने 11.09 मीटर दौड़कर छलांग लगाकर कैच लपका

कामिंडू मेंडिस के शानदार कैच से डेवाल्ड ब्रेविस को पवेलियन लौटना पड़ा। 13वें ओवर की आखिरी बॉल हर्षल पटेल ऑफ स्टंप के बाहर ओवरपिच फेंकी। ब्रेविस ने सामने की तरफ फ्लैट शॉट मारा। लॉन्ग ऑफ पर खड़े कामिंडू ने 11.09 मीटर दौड़कर फुल-स्ट्रेच डाइव लगाई और दोनों हाथों से छलांग लगाकर कैच लपक लिया।

आज कोलकाता बनाम पंजाब, सीजन दूसरी बार आमने-सामने होंगी दोनों टीमें,

हेड टु हेड में पंजाब पर हावी कोलकाता

पिच रिपोर्ट

ईडन गार्डन्स स्टेडियम की पिच बैटिंग फ्रेंडली है। इस स्टेडियम में अब तक 97 आईपीएल मैच खेले जा चुके हैं। यहां पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने 41 और बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने 56 मैच जीते हैं। इस स्टेडियम का हाईएस्ट टीम स्कोर 262/2 है, जो पंजाब किंग्स ने पिछले साल कोलकाता के खिलाफ बनाया था।

कोलकाता, एजेंसी

आईपीएल-2025 के 44वें मैच में आज कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) से होगा। मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। टॉस शाम 7:00 बजे होगा। केकेआर और पीबीकेएस का इस सीजन दूसरी बार सामना होगा। पिछले मैच में पंजाब ने कोलकाता को 16 रन से हराया था। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पीबीकेएस ने अब तक 5 मैच जीते हैं और 3 में हार मिली है। वहीं, केकेआर ने 3 ही मैचों में जीत दर्ज की है और 5 में हार का सामना किया है। कोलकाता हेड टु हेड में पंजाब पर हावी है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 34 आईपीएल मैच खेले गए हैं। 21 में कोलकाता और 13 में पंजाब को जीत मिली। दोनों टीमें ईडन गार्डन्स में 13 बार भिड़ी हैं, 9 मैचों में कोलकाता और 4 में पंजाब को जीत मिली है।

हर्षित केकेआर के टॉप बॉलर

केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 8 मैचों में 146.48 की स्ट्राइक रेट से 271 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 3 फिफ्टी लगाई है। रहाणे टीम के टॉप स्कोरर हैं। गेंदबाजी में हर्षित ने 8 मैचों में 22.54 की औसत के साथ 11 विकेट लिए हैं।

श्रेयस ने पंजाब के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए

कप्तान श्रेयस अय्यर ने इस सीजन में अब तक 8 मैचों में 185.21 की स्ट्राइक रेट के साथ 263 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 3 अर्धशतक लगाए हैं। अय्यर टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। दूसरे नंबर पर प्रियांश आर्या हैं। प्रियांश ने 8 पारियों में 254 रन बनाए हैं। टीम के लिए तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। अर्शदीप ने 8 मैचों में 11 विकेट झटके हैं। कोलकाता का मौसम काफी गर्म रहेगा। इस दिन यहां का तापमान 27 से 37 डिग्री के बीच रहने की उम्मीद है। मैच के दौरान बारिश की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। वहीं हवा 19 किलो मीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चलेगी।

पॉसिबल-12 कोलकाता नाइट राइडर्स-

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, सुनील नरेन, वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, मोईन अली, वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, अंगकृष रघुवंशी।

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्या, नेहल वधेरा, मार्कस स्टोयनिस, जोश इंग्लिस, शशांक सिंह, मार्को यानसन, अर्शदीप सिंह, जैवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, ग्लेन मैक्सवेल।

शाहरुख की केकेआर के लिए परेशानी का सबब बने RRR

कोलकाता, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। गत चैम्पियन केकेआर ने अब तक आठ में से पांच मुकाबले गंवाए हैं और उसे सिर्फ तीन मैचों में जीत मिली है। केकेआर 6 अंकों के साथ फिलहाल अंकतालिका में सातवें नंबर पर है। तीन बार की आईपीएल विजेता टीम अब अपने अगले मुकाबले में 26 अप्रैल (शनिवार) को पंजाब किंग्स का सामने करने जा रही है। यह मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स में भारतीय समयानुसार शाम 7।30 बजे से खेला जाना है।

आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए सबसे बड़ी कमजोरी उसकी बैटिंग में दिखी है। केकेआर की बल्लेबाजी अंगकृष रघुवंशी और अजिंक्य रहाणे पर काफी हद तक निर्भर रही है। मौजूदा सीजन में कप्तान रहाणे ने 271 और अंगकृष ने 197 रन बनाए है। इन दोनों को छोड़ दें, तो बाकी बैटर्स के आंकड़े चिंताजनक रहे हैं। आरआरआर यानी रसेल), रिंकू और रमनदीप का प्रदर्शन तो बेहद दयनीय रहा है।

आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह और रमनदीप सिंह की तिकड़ी शाहरुख खान की कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए परेशानी का सबब बन चुकी है। इन तीनों खिलाड़ियों को केकेआर ने आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलामी से पहले रिटेन किया था, लेकिन ये तीनों इस सीजन में उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं। रिंकू 13 करोड़, रसेल 12 करोड़ और रमनदीप 4 करोड़ रुपये में रिटेन हुए थे।

बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने मौजूदा सीजन में कुल 8 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 7 पारियों में 33।25 के एवरेज और 146।15 के स्ट्राइक-रेट से 133 रन बनाए हैं। रिंकू ने इस दौरान 12, 17, 32*, 38*, 15*, 2, 17 के स्कोर किए। ये रिंकू सिंह ही थे, जिन्होंने आईपीएल 2023 के दौरान यश दयाल के ओवर में लगातार 5 छक्के जड़कर अपनी टीम को हारा हुआ मैच जिता दिया था। रिंकू उस इनिंग्स के बाद स्टार बन गए थे और उन्होंने आगे चलकर टीम इंडिया का भी प्रतिनिधित्व किया। हालांकि मुकाबले बीतने के साथ-साथ उनका फॉर्म गिरता जा रहा है।

पाकिस्तान क्रिकेट में पहली बार हुआ ऐसा!

मानसिक स्वास्थ्य के कारण पूर्व कप्तान का खेल से ब्रेक

कराची, एजेंसी

पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान निदा डार ने क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला किया है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिये इसकी जानकारी दी है। डार ने मानसिक स्वास्थ्य का हवाला देते हुए यह फैसला लिया और कहा कि उनकी निजता का सम्मान किया जाना चाहिए। निदा डार ने इसकी जानकारी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को भी दे दी है। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण राष्ट्रीय चयन से नाम वापस ले लिया है।

पहली बार पाकिस्तान क्रिकेट में हुआ ऐसा- पाकिस्तान क्रिकेट में यह पहली बार है जब किसी खिलाड़ी ने मानसिक स्वास्थ्य का हवाला देकर क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला लिया हो। 39 वर्षीय निदा ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया, पिछले कुछ महीनों में मेरे आसपास व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से बहुत कुछ हुआ है। इसने मेरे मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाला है। मैंने ऐसे में खुद पर ध्यान देने के लिए क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला किया है। मैं सभी से इस दौरान मेरी निजता का सम्मान करने की अनुरोध करती हूं।

अभ्यास शिविर से नहीं जुड़ीं निदा डार

पाकिस्तान की दिग्गज ऑलराउंडर्स में शुमार निदा इस टीम का चेहरा रही हैं। निदा ने पाकिस्तान के लिए 272 अंतरराष्ट्रीय (वनडे और टी20) मैच खेले है। पीसीबी ने उन्हें हाल ही में लाहौर में आयोजित आईसीसी महिला विश्व कप क्वालिफायर के लिए टीम के चयन के लिए खुद को उपलब्ध कराने के लिए कहा था। निदा ने फिटनेस टेस्ट के लिए उपस्थिति दर्ज कराई। उन्हें इसके बाद अभ्यास शिविर से जुड़ने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया।

नीरज चोपड़ा ने अरशद को इन्विटेशन भेजने पर सफाई दी, कहा

पहलगाम हमले से पहले बुलाया था अब थ्रोअर के आने का सवाल ही नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

दो बार के जेवलिन थ्रो के ओलिंपिक मेडेलिस्ट नीरज चोपड़ा ने पाकिस्तानी थ्रोअर को अरशद नदीम को टूर्नामेंट के लिए निमंत्रण देने पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि अरशद नदीम को न्योता पहलगाम हमले से पहले भेजा गया था। देश और उसका हित सबसे पहले है। चोपड़ा ने 24 मई बेंगलुरु में होने वाले एनसी क्लासिक भाला फेंक टूर्नामेंट के लिए पेरिस ओलिंपिक के गोल्ड मेडेलिस्ट अरशद नदीम को भी भाग लेने लिए निमंत्रण भेजा था। जिसके बाद चोपड़ा की देश भक्ति पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है। उन्हें गालियां दी जा रही हैं । सोशल मीडिया पर फैलाया जा रहा है कि पहलगाम में 26 लोगों को आतंकियों ने मार दिया, उसके बाद भी वह पाकिस्तानी थ्रोअर को भारत आने का निमंत्रण दे रहे हैं।

नीरज चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि अरशद नदीम को नीरज चोपड़ा क्लासिक में भाग लेने के लिए इनविटेशन देने के मेरे फैसले की बहुत चर्चा हो रही है। मुझे गालियां दी जा रहा हैं और मेरे प्रति नफरत फैलाया जा रहा है। मेरे परिवार को भी नहीं छोड़ा गया। मैंने अरशद को जो न्योता दिया वह एक एथलीट की ओर से दूसरे एथलीट को दिया गया था, इससे ज्यादा कुछ नहीं, इससे कम भी नहीं।

मेरा देश और उसके हित हमेशा सबसे पहले रहेंगे

एनसी क्लासिक का उद्देश्य भारत में सर्वश्रेष्ठ एथलीट्स को लाना और हमारे देश को वर्ल्ड खेल के आयोजन का घर बनाना था। ये न्योता पहलगाम में हुए आतंकवादी हमलों से दो दिन पहले भेजा गया था। पिछले 48 घंटों में जो कुछ भी हुआ है, उसके बाद एनसी क्लासिक में अरशद की मौजूदगी का सवाल ही नहीं उठता। मेरा देश और उसके हित हमेशा सबसे पहले रहेंगे। ईमानदारी पर सवाल उठाने और मां के बयान को गलत ढंग से प्रस्तुत से नीरज दुखी हैं नीरज ने अपने बयान में आगे कहा कि मैंने इतने सालों से अपने देश को गर्व के साथ संभाला है। आज मेरी ईमानदारी पर सवाल उठाए जा रहे हैं, इससे मैं दुखी हूं। मेरे परिवार को निशाना बनाया जा रहा है।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

पहलगाम से लौटी मॉडल का खुलासा

हिंदू हो या मुस्लिम, कुरान पढ़ी है?, आतंकी ने पूछे सवाल

कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल की दोपहर हुए आतंकी हमले ने देशभर को हिलाकर रख दिया है। अब इस आतंकी हमले को लेकर जौनपुर की एकता तिवारी नाम की मॉडल ने बड़ा खुलासा कर दिया है। पहलगाम से वापस लौटीं मॉडल एकता तिवारी ने दावा किया है कि जिन आतंकियों का स्केच सुरक्षा एजेंसियों ने जारी किया है, उनमें से दो खच्चर वाले हैं। एकता का कहना है कि इन्हीं दोनों के साथ वह पहलगाम गई थीं, जहां दोनों ने उनके साथ बदसलूकी भी की। एकता तिवारी के मुताबिक उन्हें इन खच्चरवालों की हरकतें संदिग्ध लगी थीं, इसलिए उन्होंने इनका वीडियो बना लिया था। अब आतंकियों का स्केच देखने के बाद उन्हें पता चला कि वह मौत के मुंह में से निकलकर आई हैं।

एकता तिवारी के मुताबिक, आतंकियों का स्केच देखकर वह चौंक गई थीं। उन्होंने तुरंत सीएम हेल्पलाइन 1076 पर कॉल कर पूरी घटना की जानकारी दे दी है। एकता ने कहा कि उन्हें खच्चर पर ले जाने वाले दोनों लोगों की तस्वीर आतंकियों के स्केच से पूरी तरह मिल रही है। इन आतंकियों ने कुरान न पढ़ने और रुद्राक्ष की माला पहनने को लेकर एकता के साथ बदसलूकी की थी। इस संबंध में एकता ने सीआईएसएफ में तैनात अपने रिश्तेदार को सूचित कर दिया था। एकता के मुताबिक, दोनों में से एक खच्चरवाले ने जूते में कीपैड वाला फोन छिपाया हुआ था, जिसके जरिए वो लगातार किसी के कॉन्टैक्ट में था।

परिवार संग पहलगाम पहुंची थीं एकता

एकता तिवारी ने बताया कि 13 अप्रैल को वो अपने परिवार और दोस्तों के साथ मां वैष्णो देवी यात्रा पर निकली थी। यहां से 16 अप्रैल को वो अपने ग्रुप के साथ सोनमर्ग, श्रीनगर की ओर निकल गईं और 20 अप्रैल को वह पहलगाम पहुंची थीं। एकता के साथ उनके पति, दो बच्चे, भाई के अलावा दोस्तों सहित कुल बीस लोग थे। एकता ने बताया कि उन्होंने पहलगाम के लिए एक खच्चरवाले से बात की थी, लेकिन शख्स ने खुद न जाकर, उसने दूसरे खच्चरवालों को एकता के साथ भेज दिया था। एकता तिवारी ने बताया, %खच्चरवाले के साथ दो अजनबी आए थे। वो मुझसे अजमेर के बारे में पूछ रहे थे। मैंने कहा कि मैं अजमेर नहीं गई। फिर वो मुझसे अमरनाथ यात्रा के बारे में सवाल करने लगे। कितने लोग आए हैं, किस धर्म से हैं।।। ये सब सवाल किए। मुझे उनकी बातों से डर लगा। मैंने उन्हें सच नहीं बताया। मेरे पति के बारे में जानकारी पूछी।

एक्स हसबैंड के नहीं रहने पर अंगूरी भाभी को किया गया ट्रोल, एक्ट्रेस ने बताया कैसे हुई मौत

टीवी के पॉपुलर सीरियल %भाबीजी घर पर है% की अंगूरी भाभी उर्फ शुभांगी अत्रे चर्चा में हैं। एक्ट्रेस के एक्स हसबैंड पियूष पूरे की 48 की उम्र में मौत हो गई। दरअसल, वो लिवर सिरोसिस की बीमारी से जूझ रहे थे। 18 अप्रैल को ये खबर आई थी। बीते साल फरवरी के महीने में शुभांगी और पियूष अलग हो गए थे। शादी के 19 साल बाद दोनों ने तलाक लेने का फैसला लिया था। पियूष जब बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे तो शुभांगी लगातार उनके कॉन्टैक्ट में बनी हुई थीं। शुभांगी ने टाइम्स ऑफ इंडिया संग बातचीत में कहा- 16 अप्रैल में मेरी उनसे बात हुई थी। और मैं लगातार उनकी रिकवरी के लिए प्रार्थना कर रही थी। मैं इस समय काफी इमोशनल हूं। मैं पियूष को सिर्फ अच्छी चीजों के लिए याद कर रही हूं। मैं जल्द ही इंदौर उनके परिवार के साथ कुछ समय बिताने के लिए कुछ दिनों में जाऊंगी। हमारी बेटी आशी, जो यूएस में पढ़ाई कर रही है, वो भी अपने फाइनल एग्जाम खत्म कर लेगी। उसके बाद वो इंडिया आएगी। तब हम दोनों ही इंदौर जाएंगे। जब से पियूष की मौत हुई है, तभी से शुभांगी ट्रोल्स के निशाने पर आई हुई हैं। वो काफी क्रि टिसिज्म झेल रही हैं।

अब भारत में 6 करोड़ से ज्यादा आईफोन बनेंगे

कल की बड़ी खबर आईफोन से जुड़ी रही। एपल अगले साल से अमेरिका में बिकने वाले सभी आईफोन को भारत में बनाने की प्लानिंग कर रहा है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने के फैसले और चीन के साथ टैरिफ वॉर के बीच कंपनी ने यह फैसला लिया है ।वहीं, मार्केट वैल्यू के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 2,69,478 करोड़ रुपए की कुल कमाई की है।

मेट्रो बाजार

रिलायंस को चौथी तिमाही में 19,407 करोड़ का मुनाफा

मुंबई। मार्केट वैल्यू के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 2,69,478 करोड़ रुपए की कुल कमाई की है। यह पिछले साल के मुकाबले 9.88त्न ज्यादा है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 2,45,249 करोड़ रुपए की कमाई की थी। कुल कमाई में से कर्मचारियों की सैलरी, टैक्स, कच्चे माल की कीमत जैसे खर्चे निकाल दें तो कंपनी के ओनर्स के पास 19,407 करोड़ रुपए शुद्ध मुनाफे (कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट) के रूप में बचे। यह 2024 के जनवरी-मार्च तिमाही से 2.40 प्रतिशत ज्यादा है। पिछले साल कंपनी को 18,951 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। चौथी तिमाही में रिलायंस ने प्रोडक्ट और सर्विस बेचकर 2,64,573 करोड़ रुपए का राजस्व यानी रेवेन्यू जनरेट किया। सालाना आधार पर यह 9.91त्न बढ़ा है। जनवरी-मार्च 2024 में कंपनी ने 2,40,715 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था।

तिमाही नतीजों में निवेशकों के लिए क्या?

चौथी तिमाही में नतीजों के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने हर शेयरधारक को प्रति शेयर 5.50 रुपए डिविडेंड यानी लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे के कुछ हिस्सा अपने शेयरहोल्डर्स को भी देती हैं, जिसे लाभांश कहा जाता है। मार्केट एनालिस्ट्स के अनुसार कंपनी का रिजल्ट उम्मीद के मुताबिक ही है। विश्लेषकों का अनुमान था कि कंपनी के मुनाफे में कोई बड़ी बढ़ोतरी नहीं होगी, जो सही साबित हुई और कंपनी का प्रॉफिट पिछले साल के समान तिमाही के मुकाबले केवल 2 प्रतिशत ही ज्यादा रहा।

बाइक सवार को ट्रक ने कुचला, मौत

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित 11 मील के पास गुरुवार रात करीब साढ़े 8 बजे ट्रक ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। ट्रक का पहिया शरीर पर से गुजरने के कारण युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस कुचलने वाले ट्रक की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार अविनाश ठाकुर (36) अस्सी फीट रोड, सौरभ कॉलोनी अशोका गार्डन में रहता था और छत पर लोहा बांधने का काम करता था। नूरगंज में उसकी ससुराल है। इन दिनों वह ससुराल में ही रह रहा है और काम के सिलसिले में भोपाल आता है। गुरुवार रात करीब साढ़े 8 बजे वह भोपाल से काम कर नूरगंज जा रहा था। इस दौरान 11 मील से आगे मिलन रेस्टोरेंट के पास उसे ट्रक ने कुचल दिया। रेड सिग्नल क्रॉस करते समय अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर इधर, चूनाभट्टी चौराहा पर रेड सिग्नल पार करते समय चूनाभट्टी पुलिस ने बताया कि अशीष दास पिता संजय कुमार दास (36) सिवनी मालवा, जिला नर्मदापुरम में रहता था और किसान था। उसका भाई अवधपुरी में रहता है।

युवक ने पेड़ पर फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। अवधपुरी पुलिस ने बायपास रोड पर राधा का ढाबा के पीछे जंगल से एक युवक का शव बरामद किया है। शव करीब एक दिन पुराना होने के कारण डिकंपोज होने लगा था।

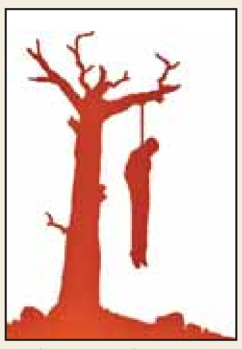

मृतक की पहचान कर ली गई है। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। साथ ही परिजन से प्रारंभिक पूछताछ में भी आत्महत्या की वजह का पता नहीं चल सका है। प्रधान आरक्षक आशीष भार्गव ने बताया है शुक्रवार शाम करीब 4 बजे सूचना मिली कि बायपास पर राधा ढाबा के पीछे जंगल में किसी युवक की लाश पेड़ पर लटकी हुई है। पुलिस मौके पर पहुंची और लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी। मृतक की पहचान साकिब खान (25) निवासी बैरसिया के रूप में की गई। साकिब बैरसिया का रहने वाला था और भोपाल में करोंद पर रह रहा था। अवधपुरी के बायपास पर वो मजदूरी करने के लिए आता था। मृतक के भाई अलग-अलग जगह रहते हैं। उनसे पुलिस की बातचीत हुई तो उन्होंने बताया कि एक साल पहले उसकी शादी हुई थी और काम की वजह से ज्यादा बात उन लोगों की नहीं होती थी।

पेटी में रखी नगदी समेत साढ़े चार लाख रुपए का गोल्ड चोरी

भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित पुष्पा नगर फूटी बावड़ी इलाके में अज्ञात बदमाश घर के कमरे में रखी लोहे की पेटी से 11 हजार रुपए की नगदी समेत साढ़े 4 लाख रुपए का गोल्ड

चुराकर ले गया। गृहणी ने अपने भांजे और उसके दोस्त पर चोरी की आशंका जताई है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मीरा गौर पति शैलेन्द्र गौर (32) पुष्पा नगर रोड, फूटी बावड़ी ऐशबाग में पति, सास और ससुर सहित परिवार के साथ रहती हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह गृहणी हैं। उनकी सास सुशीला देवी गौर के रूम में एक लोहे की छोटी पेटी रखी थी। पेटी में उनका और उनकी दो ननद समेत सास का पुरानी इस्तेमाली गोल्ड का सामान रखा हुआ था। भांजे और उसके दोस्त पर संदेह, ऐशबाग पुलिस कर रही जांच उनकी सास और ससुर खाटूश्याम दर्शन के लिए गए हुए थे। इस बीच 15 अप्रैल को वे सास ससुर के कमरे की सफाई कर रही थी, तभी फर्श पर उन्हें पेटी की चाबी पड़ी मिली। उन्होंने पति को बताया। संदेह होने पर दंपती ने पेटी चेक की तो ताला लगा हुआ था।

बदनामी के डर से सामने नहीं आ रही छात्राएं, हो सकता है संगठित अपराध के बड़े गिरोह का खुलासा

छात्राओं का दैहिक शोषण मामला: केस डायरी भेजी संबंधित थानों को, 5 प्रकरणों में 12 आरोपी बनाए

- पांच आरोपियों में से दो आरोपी गिरफ्तार, हिरासत में एक, दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दे रही दबिश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छात्राओं को प्रेमजाल में फंसाकर उन्हें ब्लैकमेल करने और शादी के लिए धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। एक अन्य आरोपी को पन्ना से हिरासत में लिया गया है। प्रकरण में अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बागसेवनिया में शून्य पर दर्ज हुए प्रकरण संबंधित थानों को भेज

दिए गए है। वहां असल अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। अब तक कुल पांच शिकायतें पुलिस के पास पहुंची है। अब पुलिस इस संगठित अपराध से जुड़ी अन्य छात्राओं और युवतियों से संपर्क कर रही है, लेकिन अधिकतर युवतियां बदनामी के डर से शिकायत नहीं कर रही है। भोपाल के थानों में अब तक पांच प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इन प्रकरणों में कुल 12 आरोपी बनाए गए है। जिनमें छह की गिरफ्तारी की जा चुकी है। निजी कालेज से जुड़े तीनों प्रकरण में फरहान नामक युवक को मुख्य आरोपी बनाया गया है। बागसेवनिया, अशोका गार्डन व जहांगीराबाद थाने में दर्ज सभी मामलों में पीड़िताओं का कहना है कि फरहान कॉलेज में उनका सीनियर था। उसने दोस्ती के बहाने उनसे दुष्कर्म किया और फिर वीडियो बनाकर उन्हें धमकाते हुए अपने समुदाय के युवकों से दोस्ती कराई।

श्यामला हिल्स और बैरागढ़ में भी एफआईआर

श्यामला हिल्स और बैरागढ़ थाने में भी दो प्रकरण दर्ज किए गए हैं। श्यामला हिल्स थाने में दर्ज मामले में पीड़िता से पूछताछ में पता चला कि आरोपी शाहरुख ने प्रेमजाल में फंसाकर उससे दुष्कर्म किया था। साथ ही शाहरूख ने पीड़िता पर दबाव बनवाया कि वह अपनी नाबालिग सहेली से उसके दोस्त अयान की दोस्ती कराए। अयान और नाबालिग के बीच रिश्ता बनने के बाद अयान ने भी नाबालिग का वीडियो बना लिया और उसे अपने दूसरे दोस्त अरबाज शेख के सामने परोस दिया। शाहरूख युवती से बाणगंगा क्षेत्र में जोया नामक महिला के किराए के कमरे में दुष्कर्म करता था। इस दौरान जोया व उसका पति फैजान व जावेद नामक व्यक्ति उसका साथ देते थे। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं अयान और अरबाज ने नाबालिग से बैरागढ़ क्षेत्र में शोषण किया था, जिसके चलते बैरागढ़ थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर दोनों आरोपयिों को गिरफ्तार किया व जेल भेज दिया है। दो अन्य की तलाश की तलाश है।

मुख्य आरोपी 3 दिन की रिमांड पर

3 छात्राओं से दुष्कर्म के मामले में 2 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी थी।

1 आरोपी को पन्ना से हिरासत में ले लिया गया है। इस मामले में मुख्य आरोपी फरहान और अली को बताया जा रहा है। आरोपियों ने दर्जनों छात्रों के साथ दुष्कर्म किया था, छात्राओं से रेप की ये घटनाएं 2023 से शुरू हुई थी लेकिन उससे पहले के मामलों की पीड़िताएं पुलिस के पास अब तक नहीं आई है। जिस नाबालिग के साथ फरहान ने रेप किया था उस नाबालिग की बड़ी बहन के माध्यम से वो फरहान के संपर्क में आई थी और उसके कॉलेज में जाने तक फरहान उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। ऐसे ही करते करते इन 5 आरोपियों के ग्रुप ने युवतियों से सम्पर्क साध कर उन्हें निशाना बनाया।

इस मामले में 3 एफआईआर दर्ज की गई है। नाबालिग के साथ दुषकर्म का मामला बागसेवनिया में दर्ज हुआ है दूसरा मामला अशोका गार्डन में दर्ज किया गया है और तीसरा मामला जहांगीराबाद में दर्ज किया गया है। वहीं इस मामले में एक पीड़िता की काउंसलिंग की जा रही है अगर वो सहमत होती है तो ऐशबाग थाने में चौथा मामला दर्ज किया जा सकता है।

शादी के बाद पत्नी को पूजा करने से रोका, धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया

पति कहता था धर्म परिवर्तन के बाद करुंगा फैमिली प्लानिंग, धर्म परिवर्तन नहीं करने पर दी किसी अन्य मुस्लिम युवती से शादी की धमकी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

महिला थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर उसके पति के खिलाफ मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। महिला का आरोप है कि शादी के पहले पति से बात हुई थी कि वह अपना धर्म मानेगा और मैं अपना धर्म मानूंगी। कुछ दिन ठीक से सब कुछ चला बाद में पति मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाने लगा। वह कहने लगा कि मैं उसी शर्त पर फैमिली प्लानिंग करुंगा जब तुम हिंदू से मुस्लिम धर्म अपना लोगी। यदि मुस्लिम धर्म नहीं अपनाया तो अन्य मुस्लिम युवती से शादी कर लूंगा।

पुलिस के अनुसार 43 साल की महिला वन विहार रोड भोपाल में रहती हैं। उसने शिकायत करते हुए बताया कि 20 दिसंबर 2014 को उसकी शादी गानिम अली निवासी एयरपोर्ट रोड, भोपाल से हुई थी। 25 अप्रैल को उन्होंने शादी को रजिस्टर्ड करवाया। वह गानिम अली को वर्ष

2012 से पहचानती है। शादी के समय पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार दहेज भी दिया था। पीड़िता का कहना है कि गानिम अली से शादी इस शर्त पर हुई थी कि वह अपने धर्म को अपनायेगा और मै अपने धर्म को अपनाऊंगी। शादी के कुछ समय तक ठीक चला। बाद में गानिम उसे प्रताड़ित करने लगा। मूर्ति तोड़ी पूजा पर रोक पीड़िता का कहना है कि मैं घर में पूजा करती थी कि गानिम मुझे मुझसे कहता था कि तुम पूजा नहीं करोगी। गानिम ने मां द्वारा दी गई मूर्ति को भी तोड़ दिया। 29 जुलाई 2022 को पिता की मृत्यु हो गई। उस समय वह पति के साथ दुबई में थी। उसने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने का कहा तो पति ने उसे जाने नहीं दिया। 05 अगस्त 2022 को वह दुबई से अपने मायके भोपाल पहुंची। कुछ महीने तक वह पति से अलग रही।

तालाब में डूब रहे युवक को गोताखोर ने बचाया

भोपाल। रानी कमलापति आर्च ब्रिज के पास छोटे तालाब में डूब रहे एक युवक को नगर निगम के गोताखोर ने सकुशल बचा लिया। उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह सूचना मिली कि रानी कमलापति आर्च ब्रिज के पास छोटे तालाब में एक युवक डूब रहा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे गोताखोर शेख आसिफ ने तालाब में छलांग लगाकर युवक को बाहर निकाला और सीपीआर देकर उसकी जान बचाई। इस दौरान श्यामला हिल्स थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने युवक को इलाज के लिए तत्काल ही हमीदिया अस्पताल भेज दिया गया।

बीटेक छात्र से मोबाइल झपटकर भागे बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित निजामद्दीन कॉलोन रोड पर गुरुवार रात करीब पौने आठ बजे बाइक सवार बदमाशों ने बीटेक छात्र का मोबाइल झपट लिया। झपटे गए मोबाइल की कीमत 30 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार झपटमारों पर प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार अयोध्या बायपास निवासी हर्षदीप जैन (18) रायसेन रोड स्थित निजी कॉलेज में बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गुरुवार शाम वह निजामुद्दीन कॉलोनी के पास मार्केट गया था। वहां से घर लौट रहा था। निजामुद्दीन कॉलोनी के पास पहुंचते ही उसके मोबाइल पर कॉल आया और वह मोबाइल पर बातचीत करते हुए

बाइक की टक्कर से साले-बहनोई घायल

भोपाल। परवलिया इलाके में शादी के कार्ड लगाने जा रहे साले-बहनोई को एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों लोग घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार हरिप्रसाद अहिरवार (45) ग्राम गुलखेड़ी थाना श्यामपुर जिला सीहोर के रहने वाले हैं। गुरुवार को वह अपने बहनोई विश्राम अहिरवार के साथ अपनी भांजी की शादी का के कार्ड लगाने के लिए ग्राम झिरनिया जा रहे थे। शाम करीब पौने छह बजे दोनों लोग कलाखेड़ी जोड़ के पास झिरनिया बस्ती के लिए जाने वाले कट पाइंट पर पहुंचे, तभी श्यामपुर की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार पल्सर बाइक चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

मेट्रो एंकर | 69 साल की रिटायर्ड बुजुर्ग मां को चप्पल से पीटा....

दिव्यांग और लकवाग्रस्त पति बचाने पहुंचे तो उन्हें भी धक्का देकर गिराया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरागढ़ पुलिस ने बुजुर्ग महिला की शिकायत पर बेटे और बहू के खिलाफ, मारपीट, गालीगलौज और जान से मारने की धमकी देने का प्रकरण दर्ज किया है। बुजुर्ग महिला का आरोप है कि बेटा और बहू घर पहुंचे और उनके साथ चप्पल से मारपीट करते हुए झूमाझटकी की। दिव्यांग, ब्रेन हेमरेज और लकवाग्रस्त पति बचाव करने पहुंचे तो उनके साथ भी धक्कामुक्की की। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ऊषा शर्मा पति महेश चंद्र शर्मा (69) सीआरपी बैरागढ़ में रहती हैं। वह तकनीकी शिक्षा रोजगार संचार न्यायालय से रिटायर्ड हैं और उनके पति महेश चंद्र शर्मा बैंक से रिटायर्ड

है। दंपती ने बताया कि उनका बेटा कपिल शर्मा (39) और बेटी लडकी शिखा दुबे है। वे दोनो की शादी कर चुके हैं। कपिल शर्मा उनके साथ रहता है। घर का खर्चा दंपती की पेंशन से ही चलता है। बेटे कपिल शर्मा ने हमारे पैसों से आई-20 कार खरीदी है। उसकी किश्त हमारे द्वारा चुकाई जाती है। वे कार नहीं चला पाते इसलिए कार बेटे के नाम पर कर दी। बेटे ने दोस्त अजय वासवानी को कार बेच दी। अजय ने उस पर पांच लाख का लोन एयूआई बैंक से ले रखा है। लोन की किश्त नहीं चुकाने के कारण 23 मार्च को बैंक वाले गाड़ी खींचने के लिए आए थे। इस बात को लेकर उनका बेटा कपिल उन्हें ताने देने लगा। वह गालियां देता है और हम लोगों के साथ मारपीट करता है। फंदा में है दस एकड़ भूमि और डेयरी दंपती की फंदा में दस एकड़ भूमि है कपिल वहीं रहता है और डेयरी का संचालन करता है साथ ही किसानी करता है। गत 23 अप्रैल की कपिल पत्नी रेनू के साथ घर पहुंचा। उसने कार देखी तो नहीं मिली। कार उनकी बेटी कोर्ट के काम से सीहोर ले गई थी। इस पर कपिल शर्मा व बहू रेनू उर्फ रूपाली शर्मा दोनों ने पति के साथ गालीगलौज शुरू कर दी। कपिल को गाली देने से मना किया तो उसने चप्पल से मारपीट की।

यात्री बस से टकराकर बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत , गुनगा के पास हादसा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गुनगा इलाके में एक बस चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिससे पीछे आ रहा बाइक सवार युवक टकराकर घायल हो गया। उसे इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है।

बस चालक के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक दुर्गेश यादव पुत्र घनश्याम यादव (22) ग्राम गुराडिया थाना ईंटखेड़ी में रहता था और बैरसिया में फर्नीचर का काम करता था। शुक्रवार सुबह वह बाइक लेकर काम पर जाने के लिए घर से निकला था। गुनगा थानांतर्गत ग्राम रतुआ स्थित वेयर हाउस के

पास उसके आगे चल रही यात्री बस के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिये, जिससे पीछे चल रहे दुर्गेश की बाइक जाकर बस से टकरा गई।

बाइक सवार युवक को कार ने मारी टक्कर

भोपाल। ईंटखेड़ी इलाके में बाइक सवार एक युवक को कार ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। पुलिस के मुताबिक रोहित बाल्मीकि सुठालिया जिला राजगढ़ का रहने वाला है और फिलहाल समृद्धि कालोनी ईंटखेड़ी में रहता है। पिछले दिनों रोहित एमपी नगर से ईंटखेड़ी जा रहा था। रास्ते में बायपास स्थित शंकर ठाकुर के पेट्रोल पंप पर पेट्रोल डलाने के बाद वह सड़क क्रास कर रहा था, तभी लांबाखेड़ा ब्रिज से मीना चौराहे की तरफ जा रही एक तेज रफ्तार कार के चालक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए करोंद स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

डीजल टैंकर की टक्कर से पलटी ट्रैक्टर ट्राली चार घायल, एक को आई गंभीर चोट

भोपाल। बैरसिया इलाके में एक टैंकर चालक ने ओवरटेक करते हुए भूसे से भरी ट्रैक्टर ट्राली को टक्कर मार दी, जिससे वह पलट गई। इस हादसे में ट्रैक्टर सवार चोर लोगों को चोट आई, जिसमें से एक युवक को गंभीर हालत में इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022